www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 342 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
11 मार्च 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:21
सूर्यास्तः 06:12
अधिकतमः 35°00
न्यूनतमः 20°00

पेज 07

विशेष समाचार: जंग के कारण कच्चे तेल के... >> पेज 04
शंकराचार्य को 26 शर्तों के... >> पेज 06
आलिया की फिल्म अल्फा...

जो देश अमेरिका-इजरायल के राजदूतों को निकालेंगे उनके जहाज होर्मुज स्ट्रेट से निकलने देंगें : ईरान

'एक लीटर तेल भी बाहर नहीं जाएगा'

- अमेरिका बोला- आज ईरान पर सबसे बड़ा हमला करेंगे
- ईरान बोला- ट्रम्प की धमकी से नहीं डरते, हमें मारने के चक्कर में खुद न मर जाएं

चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान । अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 11वां दिन है। इस बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि मंगलवार को ईरान पर अब तक के सबसे बड़े और सबसे तीव्र हमले किए जाएंगे।

हेगसेथ के मुताबिक इस हमले में बड़ी संख्या में फाइटर जेट और बमवर्षक विमान शामिल होंगे। उन्होंने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमताएं कमजोर हो रही हैं और वह बुरी तरह हार रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

- ईरान ने सोमवार को कुवैत में अमेरिकी एयरबेस को निशाना बनाकर मिसाइल लॉन्च की।
- अमेरिकन नेवी ने सोमवार को फारस की खाड़ी में तीन ईरानी जहाजों पर हमला किया।

ईरानी महिला फुटबॉलरों को ऑस्ट्रेलिया में शरण

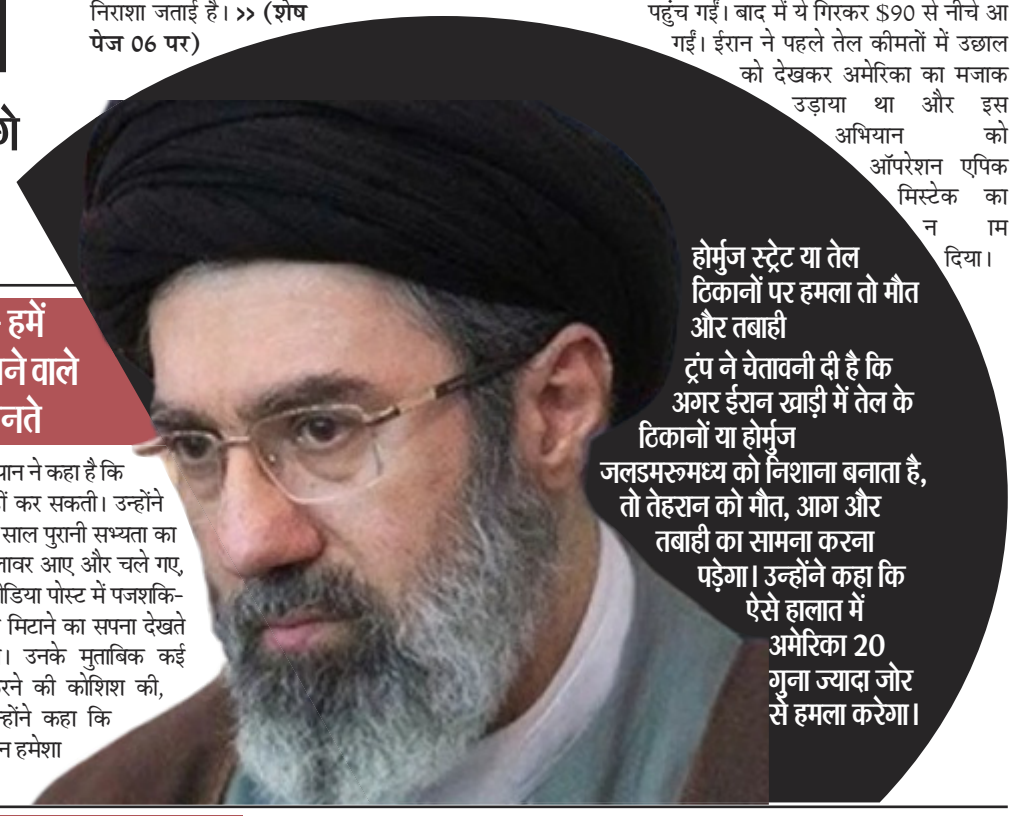

पांच ईरानी महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया ने मानवीय वीजा दिया है। ये खिलाड़ियां राष्ट्रीय टीम के कैंप से भागकर ऑस्ट्रेलिया पहुंची थीं और शरण मांगी थी। यह युद्ध के बीच मानवीय संकट की एक मिसाल है। युद्ध की स्थिति तेजी से बदल रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

ईरानी राष्ट्रपति बोले- हमें मिटाने का सपना देखने वाले इतिहास नहीं जानते

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि कोई भी ताकत ईरान को खत्म नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि ईरान कम से कम 6,000 साल पुरानी सभ्यता का वारिस है और इतिहास में कई हमलावर आए और चले गए, लेकिन ईरान कायम रहा। सोशल मीडिया पोस्ट में पजशकियान ने कहा कि जो लोग ईरान को मिटाने का सपना देखते हैं, वे इतिहास को नहीं समझते। उनके मुताबिक कई आक्रांताओं ने ईरान को खत्म करने की कोशिश की, लेकिन वे सभी असफल रहे। उन्होंने कहा कि हमलावर आते-जाते रहे, लेकिन ईरान हमेशा कायम रहा है और आगे भी रहेगा।

ईरान के हमलों में कमी, आज फिर मिसाइलें दागीं

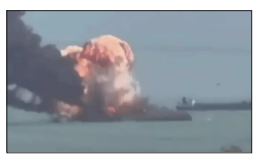

ईरानी हमलों की तीव्रता में तेजी से कमी आई है। आज सुबह 9 घंटे के लंबे अंतराल के बाद ईरान ने इजरायल की ओर फिर से मिसाइलें दागीं। शुरू के दिनों में ईरान ने इजरायल, गल्फ देशों और अमेरिकी ठिकानों पर कई बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे, लेकिन अब रफ्तार धीमी पड़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता के चुनाव से निराशा जताई है। >> (शेष पेज 06 पर)

तेल की कीमतों में उथल-पुथल

ट्रंप के बयानों के बाद तेल बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। सोमवार सुबह तेल की कीमतें 6 साल की सबसे बड़ी एक-दिन की तेजी दिखाते हुए $120 प्रति बैरल तक पहुंच गईं। बाद में ये गिरकर $90 से नीचे आ गईं। ईरान ने पहले तेल कीमतों में उछाल को देखकर अमेरिका का मजाक उड़ाया था और इस अभियान को ऑपरेशन एपिक मिस्टेक का न ाम दिया।

होर्मुज स्ट्रेट या तेल ठिकानों पर हमला तो मौत और तबाही

ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान खाड़ी में तेल के ठिकानों या होर्मुज जलडमरूमध्य को निशाना बनाता है, तो तेहरान को मौत, आग और तबाही का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे हालात में अमेरिका 20 गुना ज्यादा जोर से हमला करेगा।

नीदरलैंड ईरानी दूतावास से अपना स्टाफ हटाएगा

नीदरलैंड ने ईरान में बढ़ते सुरक्षा खतरे के बीच तेहरान स्थित अपने दूतावास से स्टाफ हटाने का फैसला किया है। डच सरकार ने कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा को देखते हुए दूतावास की गतिविधियां अस्थायी रूप से अजरबैजान की राजधानी बाकू से संचालित की जाएंगी। सरकार के मुताबिक क्षेत्र में बढ़ते जोखिम को देखते हुए यह एहतियाती कदम उठाया गया है। डच अधिकारियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा कि स्टाफ की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी कारण दूतावास की गतिविधियों को फिलहाल ईरान से बाहर स्थानांतरित किया जा रहा है।

ब्रिटेन और नाटो की तैयारी

ब्रिटेन का रक्षा मंत्रालय पूर्वी भूमध्य सागर में तैनाती के लिए दूसरा जहाज तैयार कर रहा है। आरएफए लाइम बे अब एचएमएस ड्रैगन के साथ शामिल होगा, जो पहले से तैनात है। तुर्की ने बताया कि गठबंधन की रक्षा प्रणालियों ने उसके हवाई क्षेत्र में एक बैलिस्टिक मिसाइल को मार गिराया।

- ट्रंप ने कहा, अधिकांश लक्ष्य हासिल, युद्ध जल्द समाप्त होगा
- तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव, ईरान के मिसाइल हमले जारी
- ईरान में नए सर्वोच्च नेता का चुनाव, ब्रिटेन-नाटो की तैयारी

'महिला फुटबॉल टीम घर लौटे'

ऑस्ट्रेलिया में एशिया कप खेलने गई ईरान की महिला फुटबॉल टीम को सरकार ने देश लौटने का भरोसा दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि खिलाड़ियों को "खुले दिल से" स्वागत के साथ वापस बुलाया जा रहा है। >> (शेष 06 पर)

जम्मू-कश्मीर के नौशेरा में एक आतंकी मारा गया

जमीन और हवाई निगरानी की मदद ली जा रही

सफलता

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के झंगर-नौशेरा सेक्टर में LoC पर घुसपैठ की कोशिश के दौरान एक आतंकवादी को सेना ने मार गिराया। भारतीय सेना ने बताया कि 10 मार्च 2026 को दोपहर करीब 3 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल पर झंगर-नौशेरा के इलाके में दो आतंकवादियों की हरकत का पता चला था। सेना ने बताया कि सैनिकों ने तेजी से काम किया, और घुसपैठ की कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया। दूसरे आतंकवादी की तलाश जारी है। पिछले 5 दिनों में जम्मू-कश्मीर के राजौरी इलाके में सिक्योरिटी फोर्स ने दूसरी बार घुसपैठ की कोशिश नाकाम की है। इससे पहले 23 फरवरी को भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने X पर 7 आतंकियों की फोटो पोस्ट की और लिखा था कि 326 दिन के बाद किश्तवाड़ से आतंक के नेटवर्क का खात्मा कर दिया गया है।

- सेना को दो आतंकियों की घुसपैठ की जानकारी मिली थी, दूसरे की तलाश जारी

>> (शेष पेज 06 पर)

'सरकार कोविड वैक्सीन से नुकसान का मुआवजा दे'

नंवबर 2025 में फैसला सुरक्षित रखा था

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को कोविड वैक्सीनेशन से जुड़ी याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स का मुआवजा दे। इसके लिए वह नो-फॉल्ट कंपनसेशन पॉलिसी बनाए। नो-फॉल्ट कम्पनसेशन पॉलिसी का मतलब है कि अगर किसी व्यक्ति को दवा या वैक्सीन से नुकसान हो जाए, तो उसे मुआवजा मिल सकता है, भले ही इसमें किसी की गलती साबित न हुई हो। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने यह भी कहा कि वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स की मॉनिटरिंग के लिए मौजूदा सिस्टम जारी रहेगा। इसके लिए अलग से एक्सपर्ट पैनल बनाने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने रचना गंगू और वेणुगोपालन गोविंदन की 2021 में दायर याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी बेटियों की मौत कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के कारण हुई थी।

- एरर-फ्री पॉलिसी बनाए साइड इफेक्ट्स की जांच के लिए एक्सपर्ट पैनल की जरूरत नहीं

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

एमपी में कमर्शियल गैस संकट, कई शहरों में बुकिंग बंद

भोपाल । ईरान-इजराइल युद्ध के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर मध्यप्रदेश में सतर्कता बढ़ गई है। कई शहरों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई रोक दी गई है, जिससे होटल-रेस्टोरेंट और छोटे व्यवसायों पर असर पड़ने की आशंका है।

घटना गलती

सीबीएसई के 12वीं के पेपर पर गाने का क्यूआर कोड

नई दिल्ली । सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा में मैथ के पेपर पर छपे सिक्योरिटी क्यूआर कोड को स्कैन करने पर यू-ट्यूब की लिंक ओपन हो रही है। यह लिंक 39 साल पुराने इंग्लिश सॉन्ग 'रिकरोल' की है। 9 मार्च को हुए इस पेपर पर सीबीएसई ने कहा- क्यूआर स्कैन करने पर यू-ट्यूब लिंक ओपन हो रही है। लेकिन एग्जाम पेपर भी असली हैं। इस मामले में एग्जाम पेपर की सुरक्षा से समझौता नहीं हुआ है। एग्जाम पेपर की ऑथेंटिसिटी सुरक्षित है और आगे की परीक्षाओं में ऐसी स्थिति दोबारा न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

असम में 40 लाख महिलाओं के खाते में 9000 ट्रांसफर

गुवाहाटी । असम में राज्य सरकार की ओरुनोडोई(अरुणोदय) स्कीम के तहत मंगलवार को 40 लाख महिलाओं के खाते में 9 हजार रुपए ट्रांसफर किए गए हैं। इस स्कीम को 2020 में शुरू किया गया था। इसके तहत हर परिवार की एक योग्य महिला को हर महीने 1,250 रुपये मिलते हैं।

पात्र वोटर का नाम नहीं कटेगा : ज्ञानेश कुमार

स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना प्राथमिकता

समीक्षा

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता । मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि किसी भी पात्र वोटर का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की प्राथमिकता है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का मकसद है कि सभी सही वोटर को वोट देने का अधिकार मिले और कोई अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में शामिल न हो। आयोग का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि पश्चिम बंगाल के सभी मतदाता आगामी विधानसभा चुनाव में हिंसा और डर के माहौल से मुक्त होकर मतदान कर सकें। कोलकाता में चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए दो दिन तक हुई बैठकों के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि आयोग ने राज्य की कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे बिना किसी पक्षपात और दबाव के कानून का सख्ती से पालन कराएं।

- सीईसी के लौटते ही सीएम ममता ने धरना खत्म किया

>> (शेष पेज 06 पर)

संसद फैसला करे, शरियत कानून में सुधार की जल्दबाजी न करें, इससे नुकसान की आशंका

यूसीसी लागू करने का समय आ गया : एससी

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करने का समय आ गया है। इस पर फैसला करना कोर्ट के बजाय संसद का काम है। कोर्ट शरियत कानून 1937 की कुछ धाराओं को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इन धाराओं से मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभाव का आरोप था।

>> (शेष पेज 06 पर)

मुसलमानों के परिवारिक मामलों में लागू होता है शरियत कानून 1937

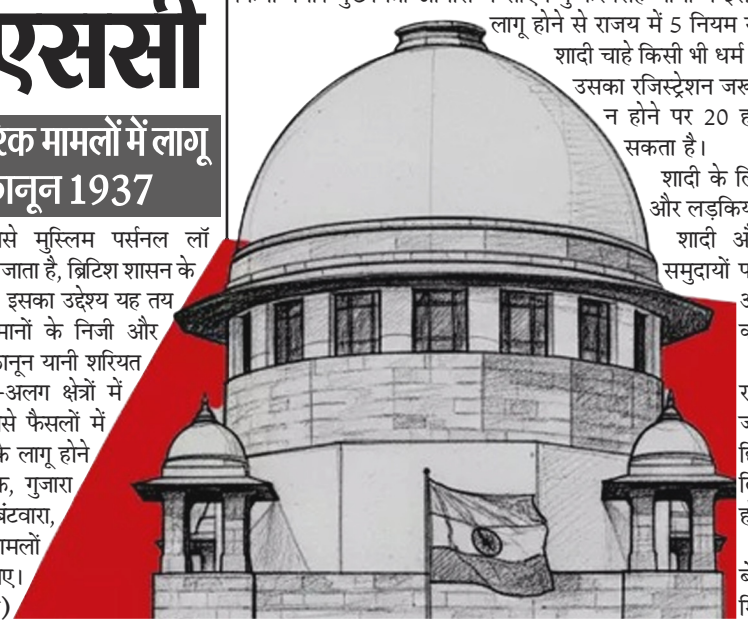

शरियत कानून 1937, जिसे मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरियत) एप्लीकेशन एक्ट कहा जाता है, ब्रिटिश शासन के समय बनाया गया एक कानून है। इसका उद्देश्य यह तय करना था कि भारत में मुसलमानों के निजी और पारिवारिक मामलों में इस्लामी कानून यानी शरियत लागू होगा। इससे पहले अलग-अलग क्षेत्रों में अलग परंपराएं चलती थीं, जिससे फैसलों में एकरूपता नहीं थी। इस कानून के लागू होने के बाद शादी (निकाह), तलाक, गुजारा भत्ता, विरासत यानी संपत्ति का बंटवारा, वक्फ और परिवार से जुड़े अन्य मामलों में शरियत के नियम मान्य माने गए।

>> (शेष पेज 06 पर)

भारत में केवल उत्तराखंड में यूसीसी लागू

भारत में अभी केवल उत्तराखंड में UCC लागू है। वहां 28 जनवरी 2025 को UCC लागू किया गया। मुख्यमंत्री आवास में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इसका ऐलान किया था। यूसीसी लागू होने से राजय में 5 नियम सख्ती से लागू हुए

शादी चाहे किसी भी धर्म के रीति-रिवाज से हो, लेकिन उसका रजिस्ट्रेशन जरूरी है। 60 दिन में रजिस्ट्रेशन न होने पर 20 हजार रुपए तक जुर्माना लग सकता है।

शादी के लिए लड़कों की उम्र 21 साल और लड़कियों के लिए 18 साल जरूरी है।

शादी और तलाक के नियम सभी समुदायों पर एक जैसे लागू होंगे। यानी अलग-अलग धर्मों में अलग कानून नहीं रहेगा।

लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के लिए रजिस्ट्रेशन जरूरी है। इसमें पहचान छिपाने या धोखाधड़ी करके लिव-इन में रहने पर जेल भी हो सकती है।

परिवार की संपत्ति पर बेटा-बेटी को समान अधिकार मिलेगा।

चर्चा : गोगोई बोले- राहुल को 20 बार टोका गया, रिजिजू का जवाब- प्रियंका को नेता प्रतिपक्ष बनाते तो अच्छा होता

बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

- जब संसद में सवाल उठाने के लिए पैसे लेने के आरोप में 11 सांसदों को सस्पेंड किया तब तो नहीं पूछा- निशिकांत दुबे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया। 50 से ज्यादा सांसदों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। इसके बाद पीठासीन ने प्रस्ताव पेश करने की परमिशन दे दी। प्रस्ताव पर चर्चा के लिए 10 घंटे का समय तय हुआ। मंगलवार को करीब 7 घंटे चर्चा हुई। इसके बाद सदन की कार्रवाई बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष ने ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने का आरोप लगाया है। बहस की शुरुआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान 20 बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को रोका-टोका गया। उन्हें बार बार रूलिंग बुक दिखाई गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

गोगोई बोले- बिरला बोलने नहीं देते, माइक बंद किया

2 फरवरी को नेता विपक्ष राहुल गांधी जब बोल रहे थे, तब उन्हें बार-बार रोका गया। स्पीकर सर ने उनके तर्क पर सबूत देने का कहा। 9 फरवरी को शशि थरूर जब बोल रहे थे, तब उनका माइक बंद कर दिया गया। सरकार ने कहा कि बोलिए, लेकिन हम कैसे बोल सकते हैं जब माइक ऑफ किया गया हो। संसद में ऐसी नई-नई चीजें हो रही हैं।

आज महिला सांसदों के उद्देश्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ओम बिरला जी ने पीएम मोदी के समय कहा था कि महिला सांसदों ने पीएम की चेयर घेर ली है। उनके साथ कुछ भी हो सकता था। ये बहुत ही शर्मनाक बात है। बिरला ने किस आधार पर महिला सांसदों पर ये आरोप लगाए।

प्रियंका गांधी ने कहा कि एक ही व्यक्ति है इस देश में जो इन 12 सालों में इनके सामने झुका नहीं। वह नेता प्रतिपक्ष है। और वो नेता प्रतिपक्ष इस सदन में खड़े होके इनके सामने सच बोल देते हैं। सच्चाई वो जो बोलते हैं वह इनसे पचती नहीं है।

रिजिजू ने कहा- सेशन के दौरान राहुल विदेश चले जाते हैं

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- इन लोगों ने पहले आरोप लगाया कि LoP को बोलने नहीं दिया जाता है। मैं कहता हूं 15वीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष केवल 2 बार बोले। जब सेशन चलता है, तो विदेश चले जाते हैं। नेता प्रतिपक्ष अपनी बात बोल के सदन से भाग जाते हैं। किसी और की बात नहीं सुनते हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

ज्यूडीशियरी करप्शन चैप्टर पर एनसीईआरटी ने मांगी माफी

कहा- अब किताब उपलब्ध नहीं, लगी थी रोक

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) ने किताब के 'ज्यूडीशियरी करप्शन' चैप्टर को लेकर बिना शर्त माफी मांगी है। इस चैप्टर को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद किताब की बिक्री पर रोक लगा दी गई थी। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। CJI सूर्यकांत ने कहा था कि न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दे सकते। NCERT ने प्रेस रिलीज में कहा NCERT की सोशल साइंस की आठवीं (पार्ट-2) की टेक्स्ट बुक 'एक्सप्लोरिंग सोसाइटीः इंडिया एंड बियॉन्ड' का चैप्टर 4 'द रोल ऑफ ज्यूडीशियरी इन अवर सोसाइटी' था। NCERT के डायरेक्टर और सदस्य इसके लिए बिना किसी शर्त के माफी मांगते हैं। पूरी किताब को ही वापस बुला लिया गया है। अब यह उपलब्ध नहीं है।

- एससी बोला था- न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं

>> (शेष पेज 06 पर)

मेरठ सेंट्रल मार्केट विवाद पर अखिलेश यादव से मिले व्यापारी, पुलिस कार्रवाई पर जताई नाराजगी

‘सरकार बनने पर व्यापारियों के हित में निकाला जाएगा समाधान’

मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मंगलवार को पार्टी कार्यालय में मेरठ के व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। विधायक अतुल प्रधान के नेतृत्व में पहुंचे इस प्रतिनिधिमंडल ने मेरठ के शास्त्री नगर स्थित सेंट्रल मार्केट मामले को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए पुलिस की कार्रवाई पर आपत्ति जताई और इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की मांग की।

व्यापारियों ने बताया कि मेरठ के शास्त्री नगर स्थित सेंट्रल मार्केट से जुड़े हजारों व्यापारी, मजदूर और उनके परिवार पिछले कई दिनों से

अखिलेश यादव ने सुझाव दिया कि सरकार चाहे तो मास्टर प्लान में बदलाव कर इस समस्या का समाधान निकाल सकती है, क्योंकि सेंट्रल मार्केट में व्यापारी वर्षों से कारोबार कर रहे हैं और उनके जीवन-यापन का यही मुख्य आधार है।

अपनी रोजी-रोटी और वर्षों की मेहनत से खड़ी की गई आजीविका को बचाने के लिए शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह केवल दुकानों का विवाद नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के भविष्य और लाखों लोगों की आजीविका से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है। ज्ञापन में प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि इस दौरान प्रशासन और पुलिस का रवैया बेहद कठोर रहा है, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार पुलिस लगातार टकराव की स्थिति बनाने का प्रयास कर रही है। हालात उस समय और गंभीर हो गए जब देर रात करीब दो बजे लगभग ढाई सौ पुलिसकर्मी धरना स्थल पर पहुंचे, जबकि उस समय वहां करीब 20 लोग ही मौजूद थे। आरोप है कि पुलिस ने टेंट उखाड़ने, धरना खत्म कराने और लोगों को डराने-धमकाने जैसी कार्रवाई की। साथ ही समाजवादी पार्टी के झंडे लगाने पर कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर आंदोलन को दबाने की कोशिश भी की गई। इस दौरान अखिलेश यादव ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि समाजवादी पार्टी व्यापारियों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनने पर इस मामले में रास्ता निकालकर व्यापारियों की मदद की जाएगी ताकि उनकी दुकानें और कारोबार सुरक्षित रह सकें तथा किसी को भी उजड़ना न पड़े। उन्होंने सरकार से मांग की कि व्यापारियों के खिलाफ कोई कठोर कानूनी कार्रवाई न की जाए, पुलिस की कथित प्रताड़ना रोकी जाए और सहानुभूति के साथ समाधान तलाशा जाए।

प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय स्तर पर मुद्दा उठाने की मांग की

आलू किसानों की समस्या पर भी सरकार को घेरा

इस मौके पर अखिलेश यादव ने प्रदेश में आलू के गिरते दामों को लेकर भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आलू की कीमतें गिरने से किसान बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन भाजपा सरकार किसानों की समस्याओं के प्रति पूरी तरह लापरवाह बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा को केवल अपनी राजनीतिक सत्ता की चिंता है। चुनाव के समय नेता प्रचार में व्यस्त रहते हैं, लेकिन किसानों की परेशानी सुनने के लिए उनके पास समय नहीं होता। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है और वे आर्थिक संकट में फंसते जा रहे हैं।

ग्रीन कॉरिडोर के उद्घाटन की तारीख चौथी बार फिक्स

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में बहुप्रतीक्षित ग्रीन कॉरिडोर फेज-2 की उद्घाटन की तारीख आखिरकार तय हो गई है। 13 मार्च को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम झूलेलाल पार्क में रखा गया है। यहां जनसभा होगी। उसी दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के कई मंत्री और बीजेपी के पदाधिकारी भी शामिल होंगे। इससे पहले उद्घाटन का समय 3 बार कैंसिल हो चुका है। पहले 22 फरवरी और बाद में 28 फरवरी की डेट तय हुई थी। एक डेट सार्वजनिक नहीं हुई थी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ के एक साथ उपलब्ध नहीं हो पा रहे थे।

यह कॉरिडोर गोमतीनगर के समतामूलक चौक से निशातगंज होते हुए हनुमान सेतु और डालीगंज तक फैला है। इसके शुरू होने से शहर के करीब 5 लाख लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। फिलहाल, निर्माण कार्य

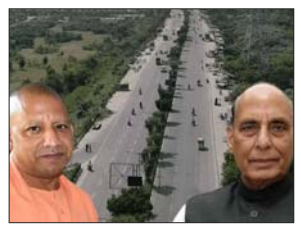

13 मार्च को रक्षामंत्री राजनाथ और सीएम योगी करेंगे लोकार्पण, 5 लाख आबादी को मिलेगी राहत

लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन औपचारिक उद्घाटन से पहले तक कॉरिडोर के एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर कंक्रीट डिवाइडर लगाकर रास्ता बंद रखा गया है। ग्रीन कॉरिडोर का दूसरा चरण निशातगंज से शुरू होकर गोमती नदी के किनारे-किनारे शहीद पथ तक जाएगा। इससे गोमती नगर विस्तार और आसपास के इलाकों के ट्रैफिक दबाव को कम करने में मदद मिलेगी।

फास्ट न्यूज

छोटा और बड़ा इमामबाड़ा बंद रहेंगे

लखनऊ । लखनऊ में 11 मार्च को बड़ा इमामबाड़ा समेत कई ऐतिहासिक इमारतें बंद रहेगी। हुसैनाबाद ट्रस्ट की ओर से नोटिस जारी करके रमजान की इस रूटीन बंदी की सूचना दी गई है। इसमें लिखा है- ऐतिहासिक विरासत और संस्कृति का दीदार करने वाले पर्यटकों के 11 मार्च, 2026 को शहर के प्रमुख ऐतिहासिक स्मारक आम जनता और पर्यटकों के लिए बंद रहेंगे। 12 मार्च से ये स्मारक दोबारा अपने निर्धारित समय पर खुलेंगे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर बैग से कारतूस बरामद

सरोजनी नगर, लखनऊ । लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर मंगलवार को एक यात्री के बैग से कारतूस बरामद हुआ। सीआईएसएफ ने यात्री को हिरासत में ले लिया और पूछताछ के बाद सरोजनी नगर पुलिस को सौंप दिया।

पीलीभीत निवासी दीपांकर जायसवाल इंडिगो की उड़ान (6ई 6521) से भुवनेश्वर जा रहे थे। यह उड़ान सुबह 9:20 बजे लखनऊ से रायपुर होते हुए भुवनेश्वर जाती है। लखनऊ एयरपोर्ट पर बोर्डिंग के लिए सुरक्षा जांच के दौरान दीपांकर के बैग में 315 बोर का एक कारतूस मिला।

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

लखनऊ । लखनऊ के कैंट थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से एक सब्जी विक्रेता की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सोमनाथ द्वार क्षेत्र निवासी 60 वर्षीय कौशल सब्जी का ठेला लगाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे।

यूपी में सिलेंडर की किल्लत, एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें

लखनऊ में झड़प, 3-3 सिलेंडर लेकर पहुंचे लोग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी में रसोई गैस (LPG) की किल्लत हो गई है। लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर समेत कई शहरों में बुकिंग के 4 से 5 दिन बाद सिलेंडर नहीं मिल रहे। गैस एजेंसियों के बाहर लाइनें लगने लगी हैं। लखनऊ की लालबाग एजेंसी में ग्राहक की पासबुक फाड़ने पर काफी देर तक हंगामा हुआ। कई लोग 3-3 सिलेंडर लेकर एजेंसी पहुंच गए।

गोरखपुर में एजेंसी के बाहर अपनी बारी का इंतजार कर रहे लोगों ने कहा- 2-3 दिन से लाइन लगा रहे हैं। ऐसा लग रहा कि 15-20 साल पहले जैसे हालात हो गए हैं, जब गैस सिलेंडर के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था।

हालांकि, अफसरों का कहना है कि परेशान होने की जरूरत नहीं है। लखनऊ के जिला पूर्ति अधिकारी विजय प्रताप सिंह ने कहा- फिलहाल किसी तरह की कमी की

स्थिति नहीं है। जिले में 25 दिन का कोटा उपलब्ध है। गैस कंपनियों ने भी ग्राहकों को मैसेज भेजकर गैस की किल्लत की खबरों से इनकार किया। कहा- ईंधन की कमी के दावे भ्रामक और निराधार हैं। देश में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक है। इधर, तेल कंपनियों ने घटते स्टॉक के चलते कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की डिलीवरी पर अघोषित रोक लगा दी है। एजेंसियों को फिलहाल सिर्फ घरेलू गैस सिलेंडर की सप्लाई पर फोकस करने के निर्देश दिए गए हैं। इसका सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट और ढाबा संचालकों पर पड़ रहा है। उन्हें कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं।

नगर आयुक्त के ऑफिस की कुर्की

इनवर्टर-सोफा बाहर निकाला, अफसर के फोन करने पर भी नहीं माने, 2.17 लाख बकाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ नगर निगम मुख्यालय में कोर्ट के आदेश पर प्रशासन की टीम मंगलवार को कुर्की करने पहुंची। इस पर नगर निगम कार्यालय में अफरा-तफरी की स्थिति हो गई। अधिकारियों के साथ में कर्मचारियों तक के हाथ-पांव फूल गए। सिविल कोर्ट के आदेश पर कुर्क अमीन और पुलिस की टीम नगर आयुक्त ऑफिस पहुंची। कुर्सी-सोफे और इनवर्टर निकाल कर ले जाने लगी। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार के फोन पर बात करने और आश्वासन देने के बाद भी मामला नहीं संभला।

आलाधिकारियों ने मामले में हस्तक्षेप किया, जिस पर करीब 1 घंटे बाद कुर्की करने आई टीम वापस लौटी। एक दिन पहले ही मामले में कुर्की का नोटिस अपर नगर आयुक्त ललित कुमार के पास में आया था। बावजूद इसके नगर निगम के अधिकारी स्थिति नहीं संभाल सके।

दरअसल, मैसर्स गंगा संस्थान और नगर निगम के बीच में एक विवाद चल रहा है। गंगा संस्थान के वकील विवेक मिश्रा ने बताया कि कोर्ट ने नगर निगम के खिलाफ एक ऑर्डर दिया था। इसमें 2,17,000 रुपए का भुगतान नगर निगम को गंगा संस्थान को करने का आदेश दिया है। फर्म कैसरबाग में शेल्टर होम चला रही थी। मैसर्स गंगा संस्थान कैसरबाग में 2019 में सेल्टर होम का संचालन करता था। नगर निगम ने दिसंबर 2019 में संस्था को बताया कि शेल्टर होम संचालन की अनुमति सितम्बर 2019 में रद्द कर दी गई है।

लखनऊ नगर निगम मुख्यालय में कुर्की करने के लिए पहुंचे टीम में संस्था के वकील और पदाधिकारी सामान बाहर निकालते।

कुर्की की कार्रवाई को पूरा करने के लिए पुलिस बल नगर आयुक्त के कार्यालय में पहुंचा।

नगर आयुक्त को शो कॉज नोटिस दिया

वकील विवेक मिश्रा ने बताया- सिविल कोर्ट की ओर से अपर नगर आयुक्त को शो कॉज नोटिस जारी किया जा चुका है। करीब पांच बार कुर्क अमीन नगर निगम ऑफिस आ चुके हैं। अधिकारियों को कई बार बोला गया कि संस्था को भुगतान कर दीजिए, नहीं तो सामान उठा ले जाएंगे, लेकिन इन लोगों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई। इसके बाद कुर्की की कार्रवाई की गई।

कंप्यूटर और कुर्सी मेज के कुर्की का आदेश

न्यायालय के आदेश पर लालबाग स्थित नगर निगम मुख्यालय से 10 कंप्यूटर, 10 मेज, 50 कुर्सी, 25 अलमारी कुर्की कर सामान का कब्जा गंगा संस्था को देना होगा। कार्रवाई के दौरान संस्था के लोगों को पुलिस सुरक्षा भी प्रदान करने के आदेश हैं। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने कहा कि डूडा से कार्यदाई संस्था ने शेल्टर होम का काम किया था। यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है। 13 मार्च को कोर्ट के कुर्की के आदेश पर सुनवाई है।

वक्ताओं ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून और राष्ट्रीय संप्रभुता का खुला उल्लंघन

अमेरिकी इज़राइली आक्रमण के विरोध में वामपंथी दलों का मार्च

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इज़राइल द्वारा चलाए जा रहे आक्रामक और अवैध युद्ध के विरोध में आज लखनऊ में वामपंथी दलों – भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक – ने संयुक्त रूप से एक विरोध मार्च आयोजित किया। यह मार्च परिवर्तन चौक से शुरू होकर जिलाधिकारी कार्यालय तक गया, जहां राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा गया।

वक्ताओं ने कहा कि अमेरिकी–इज़राइली हमले अंतरराष्ट्रीय कानून

और राष्ट्रीय संप्रभुता का खुला उल्लंघन हैं। उन्होंने कहा कि साम्राज्यवादी शक्तियां लंबे समय से तेल और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए विभिन्न देशों की संप्रभुता का उल्लंघन करती रही हैं। वक्ताओं ने कहा कि वेनेजुएला और ईरान की हालिया घटनाएं इसी साम्राज्यवादी नीति का हिस्सा हैं। इसमें वेनेजुएला के राष्ट्रपति का अवैध अपहरण और ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या जैसी घटनाएं शामिल हैं, जो अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा हैं।

वामपंथी दलों ने इस मुद्दे पर भारत सरकार के मौन समर्थन की भी कड़ी आलोचना की और कहा कि भारत को स्वतंत्र और सिद्धांत आधारित विदेश नीति अपनाते हुए अमेरिकी–इज़राइली आक्रमण का स्पष्ट विरोध करना चाहिए।

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के जिला प्रभारी कॉमरेड रमेश सिंह सेंगर ने कहा अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान के खिलाफ चलाया जा रहा युद्ध साम्राज्यवादी आक्रमण का एक और उदाहरण है। तेल और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण के लिए संप्रभु देशों को निशाना बनाया जा रहा है। भारत के लोकतांत्रिक और शांति प्रिय नागरिकों को इस साम्राज्यवादी आक्रमण के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की जिला सचिव कॉमरेड मधु गर्ग ने कहा, ईरान पर हमला केवल एक देश के खिलाफ युद्ध नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून और वैश्विक शांति के लिए गंभीर खतरा है। अमेरिका और इज़राइल की इस आक्रामक कार्रवाई का विश्वभर में विरोध होना चाहिए।

लखनऊ में वामपंथी दलों का विरोध प्रदर्शन

लखनऊ । लखनऊ में मंगलवार को वामपंथी दलों ने विरोध प्रदर्शन किया। ईरान के खिलाफ अमेरिकी–इज़राइल के युद्ध का विरोध करते हुए परिवर्तन चौक से जिलाधिकारी कार्यालय तक मार्च निकाला। अमेरिका और इजराइल के खिलाफ जमकर हंगामा और नारेबाजी की।

प्रदर्शन में भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी–लेनिनवादी) लिबरेशन, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने तत्काल युद्ध रुकवाने की मांग की।

प्रदर्शन में शामिल रमेश सेंगर ने कहा- अमेरिकी-इज़राइली हमले अंतरराष्ट्रीय कानून और राष्ट्रीय संप्रभुता का खुला उल्लंघन हैं। साम्राज्यवादी शक्तियां लंबे समय से तेल और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए विभिन्न देशों की संप्रभुता का उल्लंघन करती रही हैं। वेनेजुएला और ईरान की हालिया घटनाएं इसी साम्राज्यवादी नीति का हिस्सा हैं।

बुद्धेश्वर मंदिर के सीताकुंड में युवक डूबा हालत नाजुक

ट्रॉमा सेंटर रेफर, नहाते समय हादसा हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । लखनऊ के बुद्धेश्वर स्थित सीताकुंड तालाब में मंगलवार को नहाते समय एक युवक डूब गया। आसपास मौजूद लोगों और उसके साथियों की मदद से युवक को तालाब से बाहर निकाला गया और तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, भपटा मऊ निवासी रघुनंदन रावत (पुत्र रामदयाल), जो मजदूरी का काम करता है, मंगलवार को अपने कुछ साथियों के साथ बुद्धेश्वर परिसर के सीताकुंड तालाब में नहाने गया था। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। साथियों ने उसे डूबता देख शोर मचाया और स्थानीय लोगों की मदद से उसे पानी से बाहर निकाला। गंभीर हालत में रघुनंदन को तत्काल एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसकी स्थिति चिंताजनक बताते हुए बेहतर इलाज के लिए ट्रॉमा

सेंटर रेफर कर दिया। डॉक्टरों की टीम फिलहाल उसका इलाज कर रही है और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही बुद्धेश्वर चौकी इंचार्ज विनय कुमार पटेल अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उनके साथ उपनिरीक्षक विभोर चौधरी और अन्य पुलिसकर्मियों ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर मामले की जानकारी ली। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह मामला नहाते समय हुए हादसे का लग रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सीताकुंड तालाब में अधिक गहराई होने के कारण अक्सर ऐसे हादसों का डर बना रहता है। पुलिस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

घटना : पेट्रोल डालते ही भड़की आग, योगी की मां पर अभद्र टिप्पणी के खिलाफ प्रदर्शन

मौलाना का पुतला फूंक रहे करणी सेना के पदाधिकारी का हाथ जला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में बिहार के मौलाना अब्दुल्ला सलीम चतुर्वेदी का पुतला फूंकते समय बड़ा हादसा हो गया। आग से करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश और प्रदेश उपाध्यक्ष झुलस गए। दोनों को सिविल अस्पताल ले जाया गया। उन्हें बचाने के चक्कर में कई कार्यकर्ता भी मामूली रूप से झुलस गए। पुलिसकर्मियों ने अग्निशमन संयंत्र से आग पर काबू पाया।

मौलाना अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां पर आपत्तिजनक और भड़काऊ बयान दिया है। इसके बाद से प्रदेशभर में विरोध-प्रदर्शन हो रहा है। करणी सेना के पदाधिकारी और कार्यकर्ता

प्रदर्शनकारियों ने पहले पुतले को जूते से पीटा। उसके बाद पुतले पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग की ऊंचीं लपटें निकलीं। प्रदेश अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का हाथ और पैर झुलस गए। मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

आज शाम हजरतगंज में मौलाना अब्दुल्ला का पुतला फूंकने पहुंचे।

विकास ने कहा कि हमारे योगी जी के लिए मौलाना ने बहुत बुरा कहा है। इसलिए हमने उसका पुतला फूंका है। दोबारा ऐसा ना हो इसलिए हम लोग विरोध कर रहे हैं। उसको सजा मिले। ठाकुर रमेश सिंह ने कहा कि बिहार और उत्तर प्रदेश सरकार उस मौलाना को गिरफ्तार करें। करणी सेना चौराहे पर इसकी गर्दन काट लेगी। हम बिहार सरकार को भी चेतावनी देते हैं कि जल्द से जल्द इसको गिरफ्तार किया जाए। ऐसे असामाजिक और कानून तोड़ने वाले लोगों की जगह सलाखों के पीछे है। रमेश सिंह ने कहा कि कल से करणी सेना के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का बिहार जाना शुरू होगा। हम लोग किसी भी हाल में इसे छोड़ने वाले नहीं हैं। जब तक इस मौलाना अब्दुल्लाह सलीम को सजा नहीं हो जाती तब तक हम लोग खामोश नहीं बैठने वाले हैं। हमारे करणी सेना पूरे देश में इसके खिलाफ आंदोलन करेगी। हमने बिगुल बजा दिया है।

मौलाना जुबान काटकर लाने वाले को 10 लाख का इनाम का ऐलान

प्रदर्शन में शामिल वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि मौलाना की जुबान काटकर लाने वाले को करणी सेना 10 लाख रुपए इनाम देगी। हमारे योगी जी के लिए जो शब्द बोला है, वह बेहद निंदनीय है। हम उस पर घोर आपत्ति जताते हैं। इसका जितना भी विरोध किया जाए कम है। योगी आदित्यनाथ एक महंथ हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं।

आईएमआरटी स्कूल - नीलकंठ स्वीट्स का वाटर कनेक्शन काटा

जलकल विभाग ने सीवर लाइन भी डिस्कनेक्ट की, 9.61 लाख रुपए बकाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ नगर निगम के जलकल विभाग द्वारा जलकर के बड़े बकायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को जोन-4 क्षेत्र में जलकर बकाया वसूली को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान जीएम जलकल कुलदीप सिंह के निर्देश पर संचालित किया गया, जिसमें बकायेदार संस्थानों के विरुद्ध कठोर कदम उठाए गए।

अभियान के दौरान जोन-4 के अधिशासी अभियंता अमरेंद्र प्रताप सिंह के निर्देशन में जलकल विभाग की टीम ने क्षेत्र के कई बड़े संस्थानों की जांच की और बकाया जलकर न जमा करने पर उनकी सीवर लाइन को डिस्कनेक्ट कर दिया।

सबसे बड़ी कार्रवाई गोमती नगर

के विपुल खंड-6 स्थित आईएमआरटी इंटर कॉलेज के खिलाफ की गई। कॉलेज पर जलकर के रूप में कुल 27 लाख 61 हजार 723 रुपए का बकाया था। बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद भुगतान न करने पर जलकल विभाग की टीम ने संस्थान की सीवर लाइन डिस्कनेक्ट कर दी। इसके साथ ही उसी परिसर के बगल में में स्थित आईएमआरटी बिजनेस स्कूल पर 2 लाख 71 हजार 92 रुपए का जलकर बकाया पाया गया, जिस पर विभाग ने सख्त कदम उठाते हुए उसकी भी सीवर लाइन काट दी। इसके अलावा गोमती नगर के विवेक खंड-3 क्षेत्र में भी नीलकंठ स्वीट्स के कई प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

जलकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन सभी प्रतिष्ठानों को पहले कई बार नोटिस जारी कर बकाया जलकर जमा करने के लिए कहा गया था, लेकिन निर्धारित समय सीमा के भीतर भुगतान नहीं किया गया। इसके बाद नियमों के तहत यह कार्रवाई की गई है।

जिला प्रशासन के प्रयास से बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा में उल्लेखनीय सुधार, 120 केंद्रों को मिली प्री-स्कूल किट

506 आंगनबाड़ी केंद्र होंगे 'सक्षम'

निगरानी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकर नगर। जनपद में आंगनबाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण और बच्चों के पोषण व प्रारंभिक शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक प्रयास शुरू किए हैं। शासन की मंशा के अनुरूप अब तक 506 आंगनबाड़ी केंद्रों को सक्षम केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

जनपद में 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों का वजन 98.37 प्रतिशत सफलता के साथ लिया गया है। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा घर-घर जाकर किए जाने वाले गृह भ्रमण का कार्य 97.27 प्रतिशत तक पूरा किया जा चुका है। यह आंकड़ा बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता

वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 15 आंगनबाड़ी केंद्रों में से 12 का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। शेष 3 केंद्रों के निर्माण को शीघ्र पूर्ण कराने के लिए मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए हैं।

है। जनपद के 120 आंगनबाड़ी केंद्रों को प्री-स्कूल किट उपलब्ध कराई गई है। इन किटों में शैक्षिक सामग्री, खिलौने और अन्य उपकरण शामिल हैं। इसके माध्यम से बच्चों को खेल-खेल में सीखने का अवसर मिलेगा, जिससे उनका बौद्धिक, मानसिक और रचनात्मक विकास होगा। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि आंगनबाड़ी केंद्र न केवल पोषण बल्कि गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा भी उपलब्ध कराएं।

बच्चों के पोषण और प्रारंभिक शिक्षा को मिली नई मजबूती

आंगनबाड़ी केंद्रों का सुदृढ़ीकरण और विभागीय सहयोग

इस अभियान के तहत विभिन्न विभागों ने विशेष जिम्मेदारी संभाली है। पंचायतीराज विभाग पोषण वाटिका और बाल पेंटिंग के कार्य में सक्रिय है, जबकि लघु सिंचाई विभाग रेन वाटर हार्वेस्टिंग की जिम्मेदारी निभा रहा है। सभी विभाग नियमित मॉनीटरिंग के जरिए कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित कर रहे हैं। बाल विकास परियोजना अधिकारी और खंड विकास अधिकारी जिलाधिकारी के निर्देशानुसार कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

बच्चों और माताओं के लिए बेहतर सेवाएं

जिला प्रशासन निरंतर प्रयास कर रहा है कि आंगनबाड़ी केंद्रों को और अधिक सक्षम एवं प्रभावी बनाया जाए। इसके माध्यम से न केवल बच्चों को बेहतर पोषण और शिक्षा मिले, बल्कि गर्भवती और धात्री माताओं को भी स्वास्थ्य और पोषण संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

नर्सरी बाजार में मधुमक्खियों के हमले में व्यक्ति की मौत

औघड़ बाबा स्थान पर मेला दौरान अचानक मधुमक्खियों ने किया हमला

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जलालपुर थाना क्षेत्र के नर्सरी बाजार स्थित औघड़ बाबा स्थान पर मंगलवार को मधुमक्खियों के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक संतराम (55) पुत्र निम्मन, राजापुर कुठमा, थाना जैतपुर के निवासी थे। वे अपनी पत्नी यशोदा देवी के साथ दर्शन करने आए थे।

मेला लगने के दौरान मंदिर परिसर में लगे पेड़ पर मधुमक्खियों का छत्ता था। अचानक मधुमक्खियों का झुंड निकलकर श्रद्धालुओं पर हमला कर दिया। संतराम जमीन पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोग मदद के लिए दौड़े और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची।

घटना की सूचना पर एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और संतराम को इलाज के लिए सीएचसी बसखारी ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी यशोदा देवी ने बताया कि रास्ते में ही उनका निधन हो गया। संतराम का एक बेटा है, जो पानीपत में रहता है।

बसखारी पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ की और घटना की सही वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

मेला स्थल पर अचानक हुए मधुमक्खियों के हमले से श्रद्धालु डर गए और हड़कंप मच गया। मंदिर प्रशासन और स्थानीय लोग घायल लोगों की मदद में जुटे।

फास्ट न्यूज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता पर टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन

अंबेडकरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता पर कथित विवादित टिप्पणी के विरोध में मंगलवार को हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले में कार्रवाई की मांग की।

टांडा में नव संवत्सर 2083 के स्वागत की तैयारी शुरू

अंबेडकर नगर (टांडा)। होली पर्व के संपन्न होने के बाद टांडा में भारतीय नववर्ष संवत 2083 के स्वागत की तैयारियां शुरू हो गई हैं। नव संवत्सर स्वागत समारोह समिति के पदाधिकारी और सदस्य आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने में जुट गए हैं।इस संबंध में समिति की बैठक चौक स्थित नटराज मंदिर परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सरदार त्रिलोक सिंह ने की, जबकि संचालन महामंत्री दिनेश नारायण सिंह ने किया। बैठक में विचार-विमर्श के बाद आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई।

स्थगन आदेश के बावजूद निर्माण का आरोप

अंबेडकर नगर। उपजिलाधिकारी के स्थगन आदेश के बावजूद भूमि पर निर्माण कार्य कराने का आरोप लगाते हुए रानीपुर निवासी मोहित वर्मा ने जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। पीड़ित ने मामले में हस्तक्षेप कर निर्माण कार्य रुकवाने की मांग की है। मोहित वर्मा का कहना है कि वह थाना बेवाना क्षेत्र के ग्राम रानीपुर का निवासी है।

बैंकों और बीएसएनएल के वादों के निस्तारण पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

जनपद न्यायालय में बैंकों और बीएसएनएल के अधिकारियों के साथ बैठक, अधिक से अधिक प्रकरणों के निस्तारण पर निर्देश

अम्बेडकरनगर। 14 मार्च 2026 को जनपद न्यायालय, पारिवारिक न्यायालय, कलक्ट्रेट, तहसीलों, उपभोक्ता फोरम और अन्य विभागों में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को एडीआर भवन, जनपद न्यायालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी अधिनियम एवं नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता ने की। इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव शैलेश कुमार मौर्य भी उपस्थित रहे। बैठक में बैंकों और बीएसएनएल के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक प्री-लिटिगेशन ऋण वादों और बीएसएनएल के वादों को नियत करें। इसका उद्देश्य इन प्रकरणों को सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारित कराना है, ताकि वादकारियों की संख्या बढ़ सके और अधिक से अधिक मामले एक ही दिन में निपट सकें। विशेष न्यायाधीश ने अधिकारियों से कहा कि चिन्हित प्रकरणों के नोटिस समय पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को उपलब्ध कराए जाएं। इससे वादकारी को सूचना मिल सके और वे राष्ट्रीय लोक अदालत में उपस्थित होकर सुलह-समझौता कर सकें।

दो सप्ताह तक चलेगा प्रशिक्षण, एनएमसी मानकों और अस्पताल व्यवस्था की दी जाएगी जानकारी

मेडिकल कॉलेज में पीजी रेजिडेंट्स के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज में नवप्रवेशित स्नातकोत्तर रेजिडेंट चिकित्सकों के लिए दो सप्ताह का ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुरू हो गया है। यह कार्यक्रम 10 मार्च से 23 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को लेक्चर थिएटर-2 में एक शैक्षणिक सत्र आयोजित किया गया।

सत्र की अध्यक्षता कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर डॉ. मुकेश यादव ने की। उन्होंने "पीजी ट्रेनिंग और एनएमसी की अपेक्षाएं" विषय पर व्याख्यान देते हुए स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा की रूपरेखा और प्रशिक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी। इसके साथ ही संस्थान की नीतियों और आचार संहिता का पालन करने के महत्व पर भी जोर दिया गया। प्रधानाचार्य ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए अनुशासन, निरंतर अध्ययन और समर्पण जरूरी है।

कार्यक्रम का संचालन पोस्टग्रेजुएट टीचिंग इंचार्ज प्रोफेसर डॉ. मुकेश राना ने किया। उन्होंने बताया कि दो सप्ताह के इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम में रेजिडेंट चिकित्सकों को चिकित्सा शिक्षा, अस्पताल प्रबंधन और शोध पद्धति की जानकारी दी जाएगी।

इसके अलावा चिकित्सा नैतिकता, रोगी सुरक्षा, संचार कौशल, टीम वर्क और संस्थान की विभिन्न प्रक्रियाओं से भी परिचित कराया जाएगा। कार्यक्रम में उप-प्रधानाचार्य प्रोफेसर उमेश कुमार वर्मा, प्रोफेसर बृजेश कुमार, प्रोफेसर अमित पटेल, प्रोफेसर प्रमोद यादव, प्रोफेसर अजय कुमार सिंह, डॉ. राजेश गौतम, डॉ. अजफर मतीन और डॉ. बीरेन्द्र यादव सहित कई संकाय सदस्य मौजूद रहे।

प्रशिक्षण में क्लिनिकल कौशल और शोध पर जोर

प्रधानाचार्य ने बताया कि स्नातकोत्तर प्रशिक्षण केवल विषयगत ज्ञान तक सीमित नहीं है। इसमें क्लिनिकल कौशल, अनुसंधान क्षमता, नैतिक मूल्यों और रोगी देखभाल की गुणवत्ता का विकास भी शामिल है।

उन्होंने कहा कि रेजिडेंट चिकित्सकों को प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सा ज्ञान के साथ व्यवहारिक कौशल, संचार कौशल और टीम वर्क पर भी ध्यान देना चाहिए। इससे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं।

जिम्मेदारियों और आचार संहिता की दी जानकारी

व्याख्यान के दौरान पीजी पाठ्यक्रम और आवश्यक दक्षताओं के बारे में विस्तार से बताया गया। रेजिडेंट चिकित्सकों की भूमिका, जिम्मेदारियां और अस्पताल की कार्यप्रणाली पर भी चर्चा की गई।

रसोई गैस सिलेंडर की भारी किल्लत

खाली सिलेंडर और मांग बढ़ने से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में रसोई गैस संकट गहरा गया

तमसा संकेत, संवाददाता

बुकिंग और ओटीपी न मिलने से लोग परेशान

अम्बेडकरनगर। रसोई गैस सिलेंडर पाने के लिए उपभोक्ताओं का संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है। बुकिंग और ओटीपी न मिलने के कारण लोग परेशान हैं। शहर के अधिकांश घरों में खाली सिलेंडर ने स्थिति और खराब कर दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग लकड़ी और मिट्टी के चूल्हे पर खाना बना रहे हैं। होली में भारी खपत के बाद अब सिलेंडर की कमी और ज्यादा महसूस की जा रही है। मंगलवार को जिला मुख्यालय और ग्रामीण क्षेत्रों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें देखने को मिली। अकबरपुर तहसील तिराहा स्थित बाबा गैस एजेंसी, औरंग नगर भारत गैस एजेंसी और नई सड़क शहजादपुर एचपी गैस पर सुबह छह बजे से ही लोग सिलेंडर पाने के लिए इंतजार कर रहे थे। एजेंसी संचालक उपभोक्ताओं को सिलेंडर उपलब्ध न होने की जानकारी देकर लौटने को कह रहे थे। जिला पूर्ति अधिकारी और पूर्ति निरीक्षक अकबरपुर ने बाबा गैस एजेंसी, आजाद इंडेन गैस एजेंसी पियारेपुर और कटेहरी एवं शनि गैस सर्विस कटेहरी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि अधिकांश एजेंसियों पर पर्याप्त मात्रा में गैस उपलब्ध है। इस बीच,

जिला पूर्ति अधिकारी ने उपभोक्ताओं से अपील की कि किसी अफवाह में न आएं। अपनी आवश्यकतानुसार संबंधित गैस एजेंसी से बुकिंग कर पासबुक और डीएसी लेकर सिलेंडर प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार सभी उपभोक्ता गैस उपलब्ध करवा सकते हैं, इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है।

त्योहारों और मांग का दबाव

अगले सप्ताह चैत्र नवरात्र और रमजान के चलते सिलेंडर की मांग और बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा ईद और घरों में होने वाली शादियों के कारण कई लोग पांच से छह सिलेंडर एक साथ खरीदने की कोशिश कर रहे हैं। कई दिनों से लोग गैस एजेंसियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन पर्याप्त सिलेंडर नहीं मिलने से हड़बड़ी और शोर-शराबा बना हुआ है।

शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अभी भी सिलेंडर की कमी को लेकर सतर्क हैं। जिले में रसोई गैस संकट से राहत पाने के लिए प्रशासन और एजेंसियों के समन्वय की जरूरत बढ़ गई है।

आयुष्मान कार्ड न होने से इलाज में परेशानी, जांच की हुई मांग

हजपुरा की मरीज ने बेहतर इलाज के लिए उठाई आवाज

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र लोगों को पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है। इसके बावजूद जिले में कई ऐसे परिवार हैं, जिनका आयुष्मान कार्ड अब तक नहीं बन पाया है। इससे गंभीर बीमारियों से जूझ रहे गरीब मरीजों को इलाज कराने में कठिनाई हो रही है।

तहसील क्षेत्र के हजपुरा गांव की निवासी दुर्गावती मिश्रा पिछले करीब छह माह से कान और सर्वाइकल संबंधी बीमारी से परेशान हैं। उनका कहना है कि इस दौरान इलाज और दवाओं पर काफी खर्च हो चुका है, लेकिन राहत नहीं मिल पाई है। दुर्गावती मिश्रा के अनुसार आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण बड़े अस्पताल में इलाज कराना संभव नहीं हो पा रहा है। उनका कहना है कि यदि आयुष्मान कार्ड बना होता तो किसी बड़े अस्पताल में मुफ्त इलाज कराया जा सकता था। स्थानीय आशा कार्यकर्ता का कहना है कि सरकार की योजना के तहत गांवों में लोगों को आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए जागरूक किया जाता है। पात्र लोगों का कार्ड बनवाने में भी सहयोग किया जाता है। इसके बावजूद कई परिवार किसी कारण से योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। मामले को लेकर मानवाधिकार संघर्ष प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष पी.एन. मिश्रा ने जिलाधिकारी से जांच कराने और पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड जल्द बनवाने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि जिले में विशेष अभियान चलाकर ऐसे परिवारों की पहचान की जानी चाहिए, जिनका कार्ड अभी तक नहीं बना है। इससे जरूरतमंद लोगों को योजना का लाभ मिल सकेगा और आर्थिक अभाव के कारण इलाज प्रभावित नहीं होगा।

हजरत अली की शहादत की याद में मजलिस और मातम

तमसा संकेत, संवाददाता

नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में अकीदतमंदों ने किया गम का इजहार

अंबेडकरनगर। मुसलमानों के चौथे खलीफा और शिया समुदाय के पहले इमाम हजरत अली की शहादत की याद में जिले के कई इलाकों में मजलिसों और मातम का आयोजन किया जा रहा है। रमजान की 19 तारीख से यह सिलसिला शुरू हुआ, जो 21 रमजान तक इमामबारगाहों और घरों में जारी रहेगा। नगर क्षेत्र में मीरानपुर स्थित सदर इमामबारगाह सहित अब्दुल्लापुर, गदायां और लोरपुर ताजन के इमामबारगाहों में देर रात तक मजलिसें आयोजित हुईं। इन कार्यक्रमों में अकीदतमंदों ने नौहाख्वानी और सीनाजनी कर हजरत अली की शहादत को याद किया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी मजलिस और मातम के कार्यक्रम आयोजित किए गए। भड़सार, मुरादपुर, रोशनगढ़, कजपुरा, हजपुरा, कटघर मूसा, सिकंदरपुर, मछली गांव, लखनियां, दाउदपुर, कटघर कमाल और गौरा मोहम्मदपुर समेत कई गांवों में लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इन कार्यक्रमों में समुदाय के लोग इकट्ठा होकर शहादत की याद में गम का इजहार कर रहे हैं। मजलिसों के बाद अंजुमन के सदस्यों ने नौहाख्वानी और सीनाजनी भी की।

मजलिसों के दौरान उलेमाओं ने हजरत अली के जीवन और उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हजरत अली का जीवन इंसानियत, न्याय और सच्चाई का संदेश देता है।

संदेश : ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने लिया संकल्प

महिला दिवस पर सावित्रीबाई फुले को दी गई श्रद्धांजलि

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समानता के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। जलालपुर ब्लॉक के जन शिक्षण केंद्र कुटियावा बेवाना द्वारा संचालित ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को सावित्रीबाई फुले का परिनिर्वाण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत भस्मा, करमिसिरपुर, सुरहुरपुर और टिकरी में किया गया। इस मौके पर महिलाओं ने फुले को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम समन्वयक हेमलता ने बताया कि यह दिन भारत और विश्व दोनों के लिए विशेष महत्व रखता है। एक ओर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर भारत की पहली महिला शिक्षिका और समाज सुधारिका सावित्रीबाई फुले को उनके परिनिर्वाण दिवस पर याद किया गया। उन्होंने बताया कि 10 मार्च 1897 को फुले का निधन हुआ था। इस अवसर पर राधिका, गीता, शारदा, लालती, मंजू, लीलावती सहित जनशिक्षण केंद्र के रामहित, पुनीता, निशा, उर्मिला, सरोज, चाँदतारा, शर्मीला, हरिराम, बृजेश, हेमलता एवं सिद्धार्थ सिंह उपस्थित रहे।

महिलाओं को शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक करने का संदेश

सामुदायिक कार्यकर्ता रामहित ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने 19वीं सदी में सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देते हुए अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्कूल शुरू किया। उन्होंने महिला अधिकारों और शिक्षा की मजबूत नींव रखी। पुणे में प्लेग महामारी के दौरान मरीजों की सेवा करते हुए वे स्वयं संक्रमित हो गई थीं। कार्यक्रम में सावित्रीबाई फुले के संदेश "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" को याद करते हुए महिलाओं को सशक्त बनने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया गया।

आरटीई के दूसरे चरण में 403 बच्चों का चयन

तीसरे चरण के लिए आवेदन 12 मार्च से शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

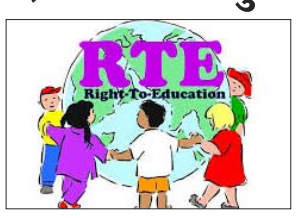

निजी विद्यालयों में गरीब और वंचित बच्चों के लिए आरक्षित सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया जारी

अम्बेडकरनगर। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) के तहत जिले के निजी विद्यालयों में प्रवेश के दूसरे चरण में कुल 403 बच्चों का चयन लॉटरी के माध्यम से किया गया। इस चरण के लिए कुल 943 बच्चों ने आवेदन किया था।

बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पटेल ने बताया कि प्राप्त 943 आवेदनों में से 433 बच्चों का सत्यापन किया गया। इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय में लॉटरी आयोजित की गई, जिसमें 403 बच्चों को प्रवेश के लिए चुना गया। इस चरण में 30 बच्चों को किसी विद्यालय में स्थान नहीं मिल सका। जिले के कुल 832 निजी विद्यालयों में RTE के तहत 25 प्रतिशत सीटें गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए आरक्षित हैं। पहले चरण में 548 बच्चों का चयन हो चुका था। दूसरे चरण के चयन के बाद कुल चयनित बच्चों की संख्या 951 हो गई है। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने यह भी बताया कि जिन बच्चों को इस चरण में प्रवेश नहीं मिला, वे तीसरे चरण में पुनः आवेदन कर सकते हैं। तीसरे चरण की आवेदन प्रक्रिया 12 मार्च से शुरू होगी।

सम्पादकीय

तूल न दें एनसीईआ-रटी की भूल को

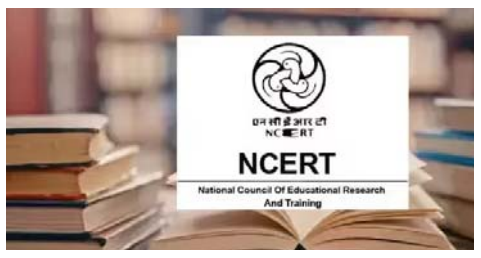

गत दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने एनसीईआरटी (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) की कक्षा आठ की एक पुस्तक को प्रतिबंधित कर दिया, क्योंकि उसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर एक पाठ था। न्यायालय ने इसे लापरवाह और तिरस्कारपूर्ण माना। उसने और भी बहुत कुछ कहा, जैसे कि इसके पीछे गहरी साजिश है। यह सही प्रश्न पूछा जा रहा है कि केवल न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर ही अलग पाठ क्यों? हालांकि बाद में पता चला कि इसके पहले राजनीति तथा नौकरशाही में कदाचरण पर चर्चा हो चुकी है। अभी सुप्रीम कोर्ट में एनसीईआरटी को इस पूरे प्रकरण पर अपना पक्ष रखना है। संभवतः अध्यापकों और एनसीईआरटी ने केवल न्याय-व्यवस्था में भ्रष्टाचार पर अलग से पाठ लिखकर भूल की है और भूल करना अपराध नहीं है। भूलें अज्ञान या अनुभवहीनता के कारण हो सकती हैं और अधिकांश अवसरों पर सुधारी जा सकती हैं। इसके लिए उस संस्था को अपमानित करना आवश्यक नहीं। उस पुस्तक के पाठ में जो लिखा है, वह कितना सही या गलत है, यह तो लोग नहीं जानते, लेकिन न्यायपालिका के रुख पर देशव्यापी चर्चा हो रही है।

एनसीईआरटी की स्थापना 1961 में हुई। तब से यह संस्था शिक्षा के क्षेत्र में एक थिंकटैंक बनकर उभरी और उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी साख बनाई है। देश की हर व्यवस्था को चलाने वाले अधिकांश लोग तथा विद्वत वर्ग एनसीईआरटी की पुस्तकें पढ़कर जीवन में आगे बढ़े हैं और संस्था के प्रति आदरभाव रखते हैं। देश की उच्चतम प्रशासनिक सेवा में प्रवेश के लिए तैयारी करने वाले युवा एनसीईआरटी की पुस्तकों का पूर्ण विश्वास से अध्ययन करते हैं। एनसीईआरटी 'व्यक्ति से व्यक्तित्व' का निर्माण करती है और नैतिकता, आचारनीति तथा मूल्य-आधारित जीवन जीने के लिए देश के भविष्य को संवारने में संलग्न है। देश की शिक्षा की समय के साथ गतिशीलता और उपयोगिता बनाए रखने के लिए समय-समय पर एनसीईआरटी नए पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और पुस्तकें बनाती है।

इस प्रक्रिया में सारे देश से आमंत्रित विशेषज्ञ भाग लेते हैं और प्रत्येक पांडुलिपि अनेक स्तरों पर पूरी तरह परखी जाती है। एनसीईआरटी की आलोचना भी अनेक अवसरों पर होती है, जिसके पीछे प्रायः वैचारिक/राजनीतिक प्रतिबद्धताएं ही हावी होती हैं। एनसीईआरटी से गलतियां भी होती रही हैं, लेकिन सामने आते ही सुधारी जाती हैं। खेद व्यक्त किए जाते हैं। जैसे कि एक बार एक किताब में कुछ पैराग्राफ लेखक ने नकल कर लिखे थे। मामला सामने आने पर त्वरित सुधार किए गए। एक अन्य पुस्तक में मेडागास्कर को अरब सागर में दिखाया गया था। उसे भी पुनः सुधार कर हिंद महासागर किया गया। जाहिर है एनसीईआरटी ने अपनी गलती मानी और पुस्तकों में परिवर्तन किए, लेकिन किसी ने किसी भी स्तर पर इसके पीछे किसी सोची-समझी साजिश की बात नहीं कही। यह संस्था सभी की है, देश की है। एनसीईआरटी की हर पुस्तक के प्रकाशन के लिए अंतिम स्वीकृति निदेशक की ही होती है। नैतिक जिम्मेदारी भी उसी की होती है। वर्तमान प्रकरण में भी ऐसा ही माना जाना चाहिए। 2002-03 में इतिहास की एक पांडुलिपि तत्कालीन निदेशक के समक्ष प्रस्तुत की गई। उसमें एक वाक्य था, 'राजीव गांधी की हत्या तमिल क्रिश्चियन व्यक्ति द्वारा की गई।' एक पाठ का शीर्षक था, 'इस्लामिक कट्टरवाद।' यह सही है कि निदेशक एक शब्द भी लेखक की अनुमति के बिना बदल नहीं सकते, लेकिन वह पांडुलिपि को अस्वीकृत कर सकते हैं। तब भी ऐसा ही किया गया और नई पांडुलिपि तैयार की गई। एनसीईआरटी की पुस्तकों में परिवर्तन के सुझाव साल भर अध्यापकों, छात्रों, लेखकों तथा विद्वानों की ओर से आते रहते हैं। संस्था के विद्वान विशेषज्ञ उनका अध्ययन करते हैं, और जहां आवश्यक होता है परिवर्तन करते हैं। एनसीईआरटी की किताबें प्रति वर्ष मुद्रित होती हैं।

2001 में कक्षा तीन के एक विद्यार्थी ने पत्र लिख एक पुस्तक में प्रकाशित चित्र के शीर्षक पर सवाल उठाया। वह शीर्षक था-'किसान हल जोत रहा है', जबकि किसान कंधे पर हल रखे हुए था। उसका संज्ञान लेते हुए अगले वर्ष पुस्तक में आवश्यक सुधार किए गए और उस छात्र को पत्र लिख गलती के लिए क्षमा मांगी गई। इससे साफ होता है कि एनसीईआरटी ने समय के साथ अपनी गलतियां सुधारी हैं, लेकिन हर संस्था के समक्ष यह संभावना नहीं रहती। जब एक स्तर पर न्यायालय से दोषी पाया गया युवक 15-20 साल बाद ऊंचे स्तर के न्यायालय से अपराध मुक्त कर दिया जाता है, तब उसके जीवन के साथ न्याय करना सर्वोच्च न्यायालय के बस में नहीं रह जाता।

जंग के कारण कच्चे तेल के दाम बेकाबू ! क्या है जंग की असल कारण और कब रुकेगी जंग

"डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल की कीमतें 96।56 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गईं, जो 6।23% (यानी 5।66 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि) के बराबर है। 10 मार्च को विश्व स्तर पर तेल की कीमतों में 7% से अधिक की वृद्धि हुई।

अमेरिका और इजरायल ने मिलकर 28 फरवरी को ईरान पर हमला कर जो जंग शुरू की थी, वह अब खतरनाक होती जा रही है। जंग का बदला लेने के लिए ईरान ने मिडिल ईस्ट के कई देशों पर हमला कर दिया। इस कारण कई देशों को हमले के डर से तेल का उत्पादन रोकना पड़ा। नतीजा ये हुआ कि कच्चे तेल की कीमत लगातार बढ़ रही है। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया। ईरान के साथ अमेरिका और इजरायल की जंग शुरू होने के बाद से ये 42% ज्यादा है। भारत का कहना है कि उसके पास काफी रिजर्व है लेकिन लंबे समय तक कीमतों में उतार-चढ़ाव से आम घरों से लेकर पूरी अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 90 फीसदी कच्चा तेल बाहर से खरीदता है, जिससे कीमतें बढ़ने पर उसे सीधा नुकसान हो सकता है। कच्चे तेल की ज्यादा कीमतें महंगाई बढ़ा सकती हैं, व्यापार घाटा बढ़ा सकती हैं और घरों का बजट बिगाड़ सकती हैं, खासकर कुकिंग गैस के मामले ममें। सरकार ने पहले भी ऐसे झटकों को कम करने के लिए कदम उठाए हैं और अब फिर ऐसा ही कुछ करने की जरूरत आ गई है। रिजर्व बैंक ने पिछले साल अनुमान लगाया था कि अगर कच्चे तेल की कीमतों में 10% की बढ़ोतरी का पूरा बोझ आम लोगों पर डाला जाता है तो इससे महंगाई में 30 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी होगी और ग्रोथ में 15 बेसिस पॉइंट्स की कमी आएगी। यह इसलिए गंभीर है, क्योंकि खाड़ी देश एशिया की ऊर्जा जरूरतों के लिए जरूरी है। 2025 में होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाला 87% कच्चा तेल और 86 फीसदी LNG एशियाई देशों में ही आया। यह रास्ता अब बंद हो गया है। कुछ दिन पहले ही LPG की कीमत भी बढ़ा दी गई है, जो लगभग एक साल बाद पहली बढ़ोतरी है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा LPG कंज्यूमर है और 90% से ज्यादा LPG मिडिल ईस्ट से आता है। केंद्र सरकार ने तेल के झटकों से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए पहले भी टैक्स में कटौती की है। 2022 में जब रूस-यूक्रेन जंग के बाद कच्चा तेल 116 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया था तो सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम कर दी थी, ताकि कीमतें स्थिर रहें। इससे पहले 2008 में जब क्रूड 147 डॉलर पर आ गया था तो महंगाई को काबू में करने के लिए इंपोर्ट और एक्साइज ड्यूटी को कम कर दिया गया था। अधिकारियों का कहना है कि अभी भी ऐसे ही कदम उठाए जा रहे हैं। विशेष रूप से, ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 97।60 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गईं, जो 7।47% (यानी 6।92 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि) के बराबर है। डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल की कीमतें 96।56 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गईं, जो 6।23% (यानी 5।66 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि) के बराबर है। 10 मार्च को विश्व स्तर पर तेल की कीमतों में 7% से अधिक की वृद्धि हुई। शुरुआती कारोबार में, ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें संक्षेप में बढ़कर 119।50 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं; डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 119।48 डॉलर प्रति बैरल के शिखर पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, ऊर्जा की कीमतों में तेजी से वृद्धि से वैश्विक मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ सकता है और आर्थिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, इस चिंता के कारण बाजार ने अपने इंट्राडे उच्च स्तर से हुई बढ़त को सीमित कर दिया है। गौरतलब है कि इजरायल के प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू के साथ शुरू हुए ईरान युद्ध को आज दस दिन हो गया है। इस युद्ध का असली खामियाजा अब सभी को भुगतना पड़ रहा है और इस युद्ध में पागलपन का भाव है। हालाँकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, जिन्होंने ईरानी चुनौती को चुटकी में हल करने की कसम खाई है, अभी भी इस युद्ध की तबाही के बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन यह सवाल कि उन्हें दो सरदारों की गैरजिम्मेदारी के लिए कितना और क्यों भुगतान करना चाहिए, अब वास्तविकता का संकेत बनता जा रहा है। यह भविष्य ईरान के बेड़े में तीन हजार से अधिक मिसाइलों में निहित है, जो ईरान के नए सर्वोच्च नेता मुज्तबा खामेनेई के मामले से अधिक है, जिनमें से आधे से अधिक मध्यम से लंबी दूरी की हैं। 'फतेह', 'फतेह 300', 'खोरमशेर 400', 'खैबरशेक', 'हाजी कासिम', 'शहाब', 'इमाद' आदि इजराइल ने इन मिसाइलों की क्षमताओं का आकलन नहीं किया; लेकिन इससे भी अधिक, ट्रम्प ने इज़राइल के नरसंहार नेतन्याहू पर भरोसा करते हुए इसे नजरअंदाज कर दिया। भविष्य विशाल, अरबों डॉलर की रडार प्रणालियों में निहित है जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका ने मध्य पूर्व के विभिन्न केंद्रीय देशों में तैनात किया है, और भविष्य ड्रोन की मदद से इन अरबों डॉलर की प्रणालियों को नष्ट करने की ईरान की क्षमता में निहित है, और भविष्य हमारे जैसे अन्य देशों की लाचारी में निहित है जो दर्शक हैं भविष्य सऊदी अरब और अन्य इस्लामी देशों में है, जिन्होंने सबसे पहले ईरान को अलग-थलग करने की कोशिश की। ईरान ने इन देशों के भविष्य को अपने हाथ में ले लिया और सामने आया। जैसे-जैसे ये देश बने थे, शांति से रहने वाले लोग उन देशों को स्वर्ग मानते थे। ये देश, वास्तव में, व्यक्तिगत परिवारों की निजी संपत्ति हैं, और कई लोगों के हित उन संपत्तियों में शामिल हैं। इन देशों को 'प्रबंधित' करना आसान है। अमेरिका इतने सालों तक इन देशों को चुप रखने में कामयाब रहा है।

अशोक भाटिया

जन सुराज का...

सौरभ वार्ष्णेय

राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल सरकार को बर्खास्त क्यों नहीं कर देती ?

भारत में जब किसी राज्य में कानून-व्यवस्था या राजनीतिक टकराव को लेकर विवाद बढ़ता है तो अक्सर यह सवाल उठता है कि केंद्र सरकार या राष्ट्रपति उस राज्य की सरकार को क्यों नहीं हटा देते? हाल के समय में भी पश्चिम बंगाल की स्थिति को लेकर ऐसी चर्चाएँ सुनाई देती हैं लेकिन भारतीय संविधान में राज्य सरकार को बर्खास्त करना इतना सरल या मनमाना निर्णय नहीं है। इसके लिए स्पष्ट संवैधानिक प्रक्रिया और ठोस कारण आवश्यक होते हैं। अभी हाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 7 मार्च, 2026) को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में अंतर्राष्ट्रीय संथाल परिषद द्वारा आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में भाग लेने गईं थीं जहां कई अव्यवस्थायें देखने को मिलीं जिसे लेकर राष्ट्रपति ने अपनी नाराजगी जाहिर की थी। इस पर विपक्ष का कहना था कि वहां चुनाव है इसलिए भारतीय जनता पार्टी संवैधानिक पदों का भी राजनीतिक इस्तेमाल कर रही हैं जबकि राष्ट्रपति का पद राजनीति से बहुत ऊपर है। अब बात निकली है तो बहुत दूर तक जाना तो तय है। यह मुद्दा इतना गर्म हो गया था कि दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा राष्ट्रपति जी के अपमान और संथाल संस्कृति के साथ किए गए लापरवाही भरे व्यवहार की कड़ी निंदा करते हुए इस घटना को शर्मनाक बताते हुए कहा कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। जो भी लोकतंत्र और आदिवासी समुदायों के सशक्तिकरण में विश्वास करता है, वो इस घटना से बहुत निराश है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति जी खुद आदिवासी समुदाय से हैं, और उन्होंने जो दर्द और पीड़ा व्यक्त की है उसने भारत के लोगों को बहुत दुःखी किया है। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार ने सारी हदें पार कर दी हैं और राष्ट्रपति के इस अपमान के लिए उनका प्रशासन जिम्मेदार है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यह भी उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि संथाल संस्कृति जैसे महत्वपूर्ण विषय के साथ पश्चिम बंगाल सरकार इतना लापरवाही भरा व्यवहार कर रही है। इस कार्यालय की पवित्रता का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद ज़ाहिर की कि पश्चिम बंगाल सरकार और टीएमसी को सद्बुद्धि आएगी। अब ऐसे में भारत की राष्ट्रपति, वर्तमान में द्रोपदी मुर्मु, देश के संवैधानिक प्रमुख हैं। हालांकि वे अधिकांश मामलों में मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही निर्णय लेती हैं। किसी राज्य की सरकार को हटाने का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत आता है, जिसे आम तौर पर 'राष्ट्रपति शासन' कहा जाता है। इसका प्रयोग तभी किया जा सकता है जब यह साबित हो जाए कि राज्य में संवैधानिक तंत्र पूरी तरह विफल हो गया है। पश्चिम बंगाल में वर्तमान में सरकार का नेतृत्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी कर रही हैं। यदि राज्य में राजनीतिक हिंसा, प्रशासनिक विफलता या अन्य गंभीर स्थिति की शिकायतें होती भी हैं, तब भी केवल आरोपों या राजनीतिक मतभेद के आधार पर सरकार को बर्खास्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए राज्यपाल की रिपोर्ट, केंद्र सरकार का आकलन और अंततः संसद की मंजूरी जैसी प्रक्रियाएँ जरूरी होती हैं। इतिहास बताता है कि अनुच्छेद 356 का कई बार राजनीतिक कारणों से दुरुपयोग हुआ है। इसी कारण एसआर बोम्माई वर्सिस यूनियन ऑफ इंडिया के ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट इंडिया ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति शासन लागू करने का निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में रहेगा और इसे मनमाने तरीके से लागू नहीं किया जा सकता। इस फैसले के बाद राज्यों की चुनी हुई सरकारों को हटाना पहले की तुलना में कहीं अधिक कठिन हो गया है। लोकतंत्र में जनता द्वारा चुनी गई सरकार को हटाने का सबसे बड़ा अधिकार अंततः जनता के पास ही होता है। यदि किसी राज्य की सरकार से असंतोष है, तो उसका समाधान चुनाव के माध्यम से किया जाता है। इसलिए केवल राजनीतिक विवाद या आरोपों के आधार पर राष्ट्रपति द्वारा सीधे राज्य सरकार को बर्खास्त करना न तो संवैधानिक रूप से उचित है और न ही लोकतांत्रिक परंपरा के अनुकूल। इस प्रकार, पश्चिम बंगाल सरकार को हटाने का सवाल केवल राजनीतिक इच्छा का नहीं, बल्कि संवैधानिक प्रक्रिया और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का विषय है। जब तक यह साबित न हो जाए कि राज्य में संवैधानिक व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी है।

गौर करने वाली...

जगराम गुर्जर

पारंपरिक मेलों पर संकटः सुरक्षा और आजीविका के बीच संतुलन की तलाश

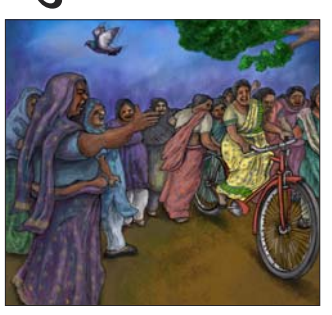

भारत के पारंपरिक मेले केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं. वे हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन का जीवंत हिस्सा हैं। गांव-गांव, शहर-शहर लगने वाले ये मेले सदियों से लोगों के मेल-मिलाप, लोक संस्कृति और आजीविका का आधार रहे हैं। यहां झूले लगाने वाले, खिलौने बेचने वाले, बर्तन, चूड़ी, हस्तशिल्प बेचने वाले दुकानदार, बुनकर, लोक कलाकार और छोटे कुटीर उद्योगों से जुड़े हजारों परिवार अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं लेकिन आज यह पारंपरिक कारोबार गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। विशेष रूप से गुजरात में तो स्थिति ऐसी बन गई है कि मेले लगभग समाप्ति की ओर हैं। अन्य राज्यों में भी कड़े नियमों की आशंका से मेला आयोजकों और झूला संचालकों के बीच असुरक्षा का माहौल है। राजकोट में एक गेमिंग जोन में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उस हादसे के बाद राज्य सरकार ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सख्त नियम लागू किए। जन सुरक्षा सर्वोपरि है, इसमें कोई मतभेद नहीं हो सकता। सरकार का दायित्व है कि वह नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। लेकिन नियम बनाते समय इस बात पर शायद ध्यान ही नहीं दिया गया कि राजकोट की घटना एक बंद, पक्के और अवैध गेमिंग जोन में हुई थी जबकि पारंपरिक मेले और झूले खुले वातावरण में अस्थायी ढांचे में लगाए जाते हैं। खुले मेलों के झूले न तो पक्के भवनों में होते हैं, न ही उनमें जटिल बिजली व्यवस्था या आग पकडने वाली बनावट होती हैं। इसके बावजूद नए नियमों का सबसे अधिक प्रभाव इन्हीं छोटे मेला आयोजकों और झूला संचालकों पर पड़ा है। नए प्रावधानों के तहत महंगे इंजीनियरिंग सर्टिफिकेट, भारी बीमा कवर, जटिल लाइसेंस प्रक्रिया और बार-बार निरीक्षण जैसी शर्तें लागू कर दी गई हैं। छोटे स्तर पर काम करने वाले ये लोग पहले ही भारी कर्ज लेकर अपने झूले खरीदते हैं। उनके लिए महंगे प्रमाण पत्र और बीमा प्रीमियम जुटाना लगभग असंभव है। परिणामस्वरूप, गुजरात में मेले लगने बंद हो गए हैं, झूले खुले मैदानों में जंग खा रहे हैं और हजारों परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। मेले और झूले वालों में से अधिकांश के पास इस पारंपरिक काम के अलावा कोई वैकल्पिक रोजगार नहीं है। पीढ़ियों से यही इनका पेशा रहा है। यह केवल व्यवसाय नहीं, इनकी पहचान भी है। यदि यह बंद होता है तो केवल रोजगार ही नहीं, एक जीवंत लोक परंपरा भी समाप्त हो जाएगी। गौर करने वाली बात है कि कोई भी मेला आयोजक या झूला संचालक सुरक्षा नियमों को हटाने की मांग नहीं कर रहा। बंद गेमिंग जोनों के लिए कठोर नियम आवश्यक हैं और उनका पालन होना चाहिए लेकिन खुले मेलों के पारंपरिक झूलों के लिए अलग, सरल और व्यवहारिक नियम बनाए जाने चाहिए। सरकार यदि श्रेणीकरण (कैटेग-राइजेशन) की व्यवस्था करे तो भी झूले वालों को राहत मिल सकती है।

जरा हटके

इस जीत का एक ...

घनश्याम बादल

जीत की रीत का नया गीत

देश और क्रिकेट प्रेमियों की उम्मीदों पर खरे उतरते हुए आखिरकार भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी टी 20 वर्ल्ड कप का तोहफा देश को दिया है। इतिहास और पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए फाइनल से पहले जिस तरह सबकी दिल की धड़कनें बड़ी हुई थी वह इन खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी चुनौती थी। इससे पहले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर हर बार हार का सामना करना पड़ा था न्यूजीलैंड से टी 20 वर्ल्ड कप में हर बार हार मिली थी और कोई भी टीम लगातार दो बार टूर्नामेंट जीत कर खिताब नहीं बचा पाई थी साथ ही साथ अब तक किसी भी देश ने तीन बार टी 20 का वर्ल्ड कप नहीं जीता था लेकिन चुनौतियों और उतार-चढ़ाव से पर पाते हुए इस भारतीय क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया है। टी-20 विश्व कप पर लगातार दूसरी बार कब्ज़ा केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट की सामूहिक प्रतिभा, धैर्य, रणनीति और संघर्ष की अद्भुत गाथा है। यह जीत उस लंबे सफर का परिणाम है जिसमें कठिन चुनौतियाँ, विवाद, हार-जीत के उतार-चढ़ाव और खिलाड़ियों की अथक मेहनत शामिल रही। इस विश्व कप का सफर आसान नहीं था। टूर्नामेंट से पहले ही उपमहाद्वीप की राजनीति का असर खेल पर दिखाई दिया। पाकिस्तान और बांग्लादेश से जुड़े विवादों तथा विभिन्न कूटनीतिक तनावों ने प्रतियोगिता का मज़ा किरकिरा करने में कोई कमी नहीं छोड़ी । ऐसे में भारतीय टीम को न केवल मैदान पर बल्कि मानसिक रूप से भी संतुलित रहना पड़ा। प्रतियोगिता के दौरान स्टीम ने अपने ग्रुप के दूसरे सारे मैच जीते लेकिन दक्षिण अफ्रीका से मिली हार ने बड़ा झटका दिया। बेशक उस टीम का आत्मविश्वास डगम गया होगा. डटकर आलोचना भी हुई कोच और कप्तान ने भी कड़ा रुख अपनाया लेकिन सच कहें तो उसी मैच ने यह संकेत दिया कि भारतीय टीम अजेय नहीं है और यदि रणनीति में ढिलाई बरती तो विरोधी टीमें अवसर का लाभ उठा सकती हैं। महान टीमों की पहचान होती है कि वे हार से टूटती नहीं बल्कि सीखती हैं। भारत ने भी यही किया,णनीति बदली, संयोजन सुधारा और लगातार असफल हो रहे अभिषेक और मौके पर पटरी से उतरी गेंदबाजी कर रहे वरुण चक्रवर्ती पर विश्वास जताया, अगले मैचों में और अधिक आक्रामक रूप में मैदान में उतरी और एक चोट ने सारा नज़ारा बदल दिया. परिणाम सामने है। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध मुकाबला इस विश्व कप का सबसे निर्णायक मोड़ था। इंग्लैंड की टीम आक्रामक बल्लेबाजी और संतुलित गेंदबाजी डरा देने वाली थी, इसलिए यह मैच भारत की वास्तविक परीक्षा था। भारतीय बल्लेबाजों ने दबाव को अवसर में बदल बड़े स्कोर का पहाड़ खड़ा किया। अप्रत्याशित रूप से बिना दबाव के विस्फोटक तरीके से खेल रहे इंग्लैंड के बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजों ने अंतिम क्षणों में संयम और रणनीति के साथ इंग्लैंड की चुनौती को विफल कर फाइनल में प्रवेश किया । फाइनल में मिली एक तरफा धमाकेदार जीत ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम केवल किसी एक की प्रतिभा से नहीं बल्कि सामूहिक विश्वास और परिपक्वता से लैस है। इस विश्व कप की सबसे बड़ी विशेषता यही रही कि जीत किसी एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि पूरी टीम की थी।शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने आक्रामक शुरुआत देकर टीम को मजबूत आधार दिया। तो मध्यक्रम ने उसे गति को बनाए रखा,ऑल-राउंडरों ने बल्ले और गेंद दोनों से निर्णायक भूमिका निभाई। जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में तेज गेंदबाजों ने शुरुआती झटके देकर विपक्षी टीम को दबाव में रखा, जबकि स्पिनर अक्षर पटेल ने मध्य ओवरों में मैच की दिशा बदल दी। हार्दिक पांड्या ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया तो शिवम दुबे ने विस्फोटक परी खेड़ी अब संजू सैमसन तो पूरी प्रतियोगिता में ही तारणहार बने शिवम दुबे, ईशान किशन और तिलक वर्मा ने मौका मिलते ही अपना काम किया । फ़ाइनल में अभिषेक का जलवा उनकी पिछली विफलताओं को भुला गया। कप्तान सूर्यकुमार यादव बल्ले से भले ही नहीं चल पाए लेकिन उनकी रणनीति पूरे टूर्नामेंट में विपक्षियों की समझ से बाहर रही। कुल मिलाकर टीम के इस प्रदर्शन को अद्भुत, अप्रतिम और शानदार ही कहा जाएगा। कुछ कमियों के बावजूद फील्डिंग भी भारतीय ताकत बनकर उभरी. अक्षर पटेल और तिलक वर्मा के कैच लंबे समय तक याद किए जाएंगे। इस जीत का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी रहा कि भारतीय क्रिकेट अब केवल कुछ वरिष्ठ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं रही। नई पीढ़ी के खिलाड़ी, युवा बल्लेबाज, तेज गेंदबाज और बहुमुखी ऑल-राउंडर अब जिम्मेदारी उठाने के लिए पूरी तरह तैयार दिखाई दे रहे हैं। यह पीढ़ी तकनीक, फिटनेस और मानसिक दृढ़ता के मामले में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम है। यही कारण है कि भारतीय टीम कठिन परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखने में सफल र इस जीत से छोटे शहरों और गांवों से आने वाले लाखों युवाओं को विश्वास मिलेगा कि मेहनत और प्रतिभा से विश्व मंच पर पहुँचना संभव है।खेल अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा, क्रिकेट की सफलता खेल उद्योग, प्रसारण, प्रायोजन और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी। यह जीत जितनी महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह देखना है कि देश इस उपलब्धि को खेल संस्कृति के व्यापक विकास में कैसे बदलता है। शिक्षा व्यवस्था में खेलों को अनिवार्य और व्यवस्थित बनाया जाना चाहिए। हर जिले में आधुनिक खेल मैदान और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएँ तो यह जीत और भी असरकारी हो जाएगी। बेशक, भारत में क्रिकेट अत्यंत लोकप्रिय है, किंतु हॉकी, फुटबॉल, एथलेटिक्स, कुश्ती, बैडमिंटन, तीरंदाजी और कबड्डी जैसे ग्रामीण पृष्ठभूमि के खेलों में भी अपार संभावनाएँ हैं। यदि इन खेलों को भी संरचना और संसाधन मिलें, तो भारत बहु-खेल महाशक्ति बन सकता है।

कानपुर में आरोपी बोला- मारना नहीं चाहता था, उसने बहन से मिलते देख लिया था

भांजी से प्रेम छिपाने के लिए भांजे का गला घोंटा

हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। "मैं अहमदाबाद में पेंटिंग का काम करता था। डेढ़ साल वहां रहने के बाद करीब दो महीने पहले ही गांव लौटा था। एक दिन मैं कृष्णा की बहन से मिलने गया था। घर के पीछे हम दोनों एक-दूसरे का हाथ पकड़कर बात कर रहे थे, तभी कृष्णा वहां पहुंच गया। उसने हम दोनों को देख लिया। बाद में उसने यह बात अपने पिता से बता दी। उसके पिता ने मुझे समझाया और कहा कि 'बउआ सुधर जाओ वरना गलत होगा।' तब मैंने कहा था कि अब दोबारा ऐसा नहीं होगा।" यह कबूलनामा है, घाटमपुर के कठेठा गांव में 15 वर्षीय प्रतीक उर्फ कृष्णा सिंह की हत्या करने वाले आरोपी

आशुतोष सिंह का। मंगलवार को पुलिस ने उसे जेल भेज दिया। पूछताछ में उसने बताया कि कृष्णा की बहन से उसका प्रेम प्रसंग था और इसी बात के खुल जाने के डर ने कृष्णा को मार डाला। उसने बताया कि कृष्णा शारीरिक रूप से उससे कमजोर था। उसने अचानक उसे उठाकर खेत में पटक दिया। इसके बाद उसके सीने पर चढ़कर हाथों से गला दबाने लगा। जब वह छटपटाने लगा तो उसकी लोअर का नाड़ा निकालकर उसी से गला कस दिया और उसकी हत्या कर दी। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया- कृष्णा के पिता ने गांव के ही बउरा और प्रभाकर पर हत्या की आशंका जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने

दूसरी बार देखे जाने के बाद दिमाग में बैठ गया डर

आरोपी ने बताया कि कृष्णा के पिता के समझाने के करीब पांच-छह दिन बाद वह फिर से कृष्णा की बहन से मिलने पहुंच गया था। इसी दौरान कृष्णा ने उसे दोबारा देख लिया। हालांकि, इस बार उसने यह बात अपने पिता से नहीं बताई, लेकिन यह बात आरोपी के दिमाग में घर बैठ गई कि कभी भी राज खुल सकता है। आरोपी आशुतोष ने बताया कि 7 मार्च की सुबह उसकी कृष्णा से कोई खास बातचीत नहीं हुई थी। उसी दिन कृष्णा ने अपने पिता से कहा कि खेत में गाय घुस गई है, उसे निकालने जा रहे हैं। इसके बाद वह उसके पास आया और बोला, "मामा खेत चलोगे?" इस पर वह उसके साथ खेत की ओर चल पड़ा।

जांच के दौरान परिजनों और संदिग्धों की कॉल डिटेल और सीडीआर खंगाली। जांच में सामने आया कि आशुतोष की मृतक के घर के नंबर पर काफी बातचीत होती थी।

आरोपी ने बताया- खेत तक जाते समय उसके मन में हत्या जैसी कोई बात नहीं थी। लेकिन, लौटते समय अचानक उसके मन में यह ख्याल आया कि अगर कृष्णा ने यह बात घर में बता दी तो बड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है।

डीसीपी साउथ ऑफिस में आरोपी आशुतोष ने सिलसिलेवार हत्या की पूरी कहानी बताई।

परिजनों के साथ कृष्णा को खोजने का नाटक करता रहा

हत्या करने के बाद आशुतोष अपने घर चला गया। वहां से वह गजनेर में ठेकेदार के पास चला गया ताकि किसी को उस पर शक न हो। शाम करीब चार बजे जब वह गांव लौटा तो पता चला कि कृष्णा के परिजन उसकी तलाश कर रहे हैं। कृष्णा के चाचा ने आशुतोष को फोन कर कहा कि "बउआ मिल नहीं रहा है, घर आओ।"

खेत के पास मिला था कृष्णा का शव

दरअसल, घाटमपुर थाना क्षेत्र के कठेठा गांव निवासी संतोष सिंह के 15 वर्षीय बेटे प्रतीक उर्फ कृष्णा सिंह का शव शनिवार को खेत के पास माइनर किनारे पड़ा मिला था। उसकी लोअर के नाड़े से गला घोंटकर हत्या की गई थी।

घोषणा पत्र प्रपत्र 4 (नियम 8 देखें)

प्रकाशन स्थान	– तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर।
प्रकाशन अवधि	– दैनिक
मुद्रक का नाम	– विद्या देवी
(क्या भारत के नागरिक हैं)	– हाँ
(क्या विदेशी तो मूल देश)	– लागू नहीं
पता	– तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर।
प्रकाशक का नाम	– विद्या देवी
(क्या भारत के नागरिक हैं)	– हाँ
(क्या विदेशी तो मूल देश)	– लागू नहीं
पता	– तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर।
सम्पादक का नाम	– विद्यादेवी
(क्या भारत के नागरिक हैं)	– हाँ
(क्या विदेशी तो मूल देश)	– लागू नहीं
पता	– तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर।

उन व्यक्तियों के नाम व पते जो– तमसा संकेत समाचार पत्र के स्वामी हैं जो समस्त पूँजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।

मैं विद्यादेवी एत्दद्वारा घोषित करती हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।

दिनांक 11.03.2025

ह. विद्या देवी
मुद्रक एवं प्रकाशक
तमसा संकेत भवन शहजादपुर,
अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर।

फास्ट न्यूज

परिषदीय स्कूलों के छात्र करेंगे हवाई यात्रा

वाराणसी। परिषदीय स्कूलों के छात्र-छात्राओं को हवाई यात्रा कराई जाएगी। इसके लिए वाराणसी, प्रयागराज और मीरजापुर मंडल के कुल 22 छात्र-छात्राओं का चयन कर लिया गया है। इनकी सूची जारी कर दी गई है। दरअसल, ये चयनित छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय अविष्कार अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए थे और प्रथम और द्वितीय स्थान हासिल किए हुए थे।

गाजीपुर लोक अदालत में 1.25 लाख वाद निस्तारण का लक्ष्य

गाजीपुर। गाजीपुर जिला न्यायालय परिसर से राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए एक जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली को जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर के तत्वावधान में आयोजित की गई थी। इसमें न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, न्यायालय कर्मचारियों और पराविधिक स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

युवक से मारपीट, तमंचे की बट से हमला

बागपत। बागपत के अमीनगर सराय क्षेत्र में एक युवक से मारपीट और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र के अमीनगर सराय निवासी विजय गिरि पुत्र सतीश ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत पत्र दिया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति जागरूकता के लिए कार रैली

जनपद न्यायाधीश ने दिखाई हरी झंडी

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। उ0प्र0राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुक्रम में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांकित-14.03.26 के प्रति आम जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से आज दिनांक-10.03.26 को जनपद बाराबंकी के विभिन्न बैंकों के द्वारा कार जागरूकता रैली निकाली गई। जिसे श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव जनपद न्यायाधीश ने सुबह 10ः00 बजे न्यायालय गेट संख्या-1 से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई गुजरी, जिसमें जेब्रा पार्क, नबी गंज, पीरबटावन, राजकमल, छाया चौराहा और पुलिस लाइन मुख्य रहे। इन क्षेत्रों में रैली ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और आखिर में जनपद न्यायालय के गेट संख्या-2 पर पहुँचकर इसका समापन हुआ। रैली में शामिल वाहनों पर राष्ट्रीय लोक अदालत एवं उनके उनके बैंकों के नामों के बैनर लगाये गये थे। श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव जनपद न्यायाधीश द्वारा अवगत कराया गया कि इस रैली का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व एवं लाभों के प्रति जागरूक करना है और बैंक एवं आम जनमानस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। ऋण वसूली मामलों के बैंकों के द्वारा अधिकतम छूट प्रदान कर एन0पी0ए0 मामलों को अधिकाधिक निस्तारित करने का लक्ष्य रखा गया है। श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह अपर जिला जज/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत के द्वारा प्रगति आख्या से जनपद न्यायाधीश को अवगत कराते हुये कथन किया कि लोक अदालत का प्रचार प्रसार करने की जिम्मेदारी भी बैंकों को दी गई है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

दुर्घटनाओं पर रोक के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। जिलाधिकारी श्री शशांक त्रिपाठी ने संबंधित अधिकारियों के साथ लोकसभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिये अधिकारी प्रभावी कदम उठाए। जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व में हुई दुघर्टनाओं की समीक्षा करके उनकी पुनरावृत्ति पर रोक लगाने के लिये आवश्यक कदम उठाए जाए। दुर्घटना बाहुल्य इलाकों को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हाकिंत करते हुए उन स्थानों पर संकेतक लगाकर दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय किए जाए। पुलिस व परिवहन विभाग द्वारा दिये जाने वाले निर्देशों को अमल में लाया जाए। जिले के दुर्घटना बाहुल्य स्थानों असेनी मोड़, दारापुर मोड़, सफेदाबाद, रसौली मोड़, सफदरगंज मोड़, दादरा मोड़, लक्षबर बजहा मोड़, प्रतापगंज मोड़, बभौरा मोड़, आदि स्थानों पर यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी ब्लैक स्पॉट वाले स्थानों पर दुर्घटनाओं के रोकने के विशेष प्रयास किये जायें तो निश्चित रूप से दुर्घटनाओं में कमी आएगी। जिलाधिकारी ने शहर के अन्दर दशहराबाग में लगने वाली मौरंग मंडी को कार्ययोजना बनाकर शहर से बाहर किए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने बाराबंकी-अयोध्या मार्ग पर स्थित रॉयल पद्मा रेस्टोरेंट के सामने बने अवैध कट को तत्काल बन्द कराए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सतरिख नाके पर स्थित विद्युतपोल और अवैध अतिक्रमण को हटाए जाने के निर्देश दिए।

40 छात्र-छात्राओं ने किया पांच दिवसीय शैक्षिक भ्रमण

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज सूरतगंज के कुल 40 छात्र-छात्राओं को जिला विद्यालय निरीक्षक ओ.पी. त्रिपाठी एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविंद सिंह के निर्देशन में पांच दिवसीय शैक्षिक भ्रमण पर प्रदेश से बाहर भेजा गया। यह शैक्षिक भ्रमण 06 फरवरी 2026 से 10 फरवरी 2026 तक आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों को चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के प्रमुख शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों का भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण के दौरान छात्रों को चंडीगढ़ स्थित सीआरआरआईडी, पंजाब के मोहाली स्थित आईआई-एसईआर तथा हरियाणा के पिंजौर स्थित वल्चर कंजर्वेशन एंड ब्रीडिंग सेंटर का दौरा कराया गया। यात्रा के दौरान विद्यालय के शिक्षक संजय कुमार और रावेंद्र वर्मा छात्र-छात्राओं के साथ मौजूद रहे और पूरे भ्रमण की देखरेख की। छात्र-छात्राओं को वातानुकूलित रेल कोच के माध्यम से चंडीगढ़ ले जाया गया। उनके ठहरने के लिए वातानुकूलित होटल में व्यवस्था की गई थी। साथ ही सुबह का नाश्ता तथा दोपहर और रात्रि भोजन की भी समुचित व्यवस्था की गई थी, जिससे विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भ्रमण के दौरान जब छात्र-छात्राएं हरियाणा के पिंजौर स्थित वल्चर कंजर्वेशन एंड ब्रीडिंग सेंटर पहुंचे तो वहां उन्होंने गिद्धों की विभिन्न प्रजातियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। विशेषज्ञों ने बताया कि गिद्धों को प्रकृति का सफाईकर्मी भी कहा जाता है, क्योंकि वे मृत पशुओं को खाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों ने गिद्धों की भारत में पाई जाने वाली प्रजातियों तथा उनके संरक्षण से जुड़ी जानकारियां भी प्राप्त कीं। अगले दिन छात्रों ने पंजाब के मोहाली स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर) का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने संस्थान की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का भी अवलोकन किया और वैज्ञानिक अनुसंधान की प्रक्रिया को करीब से समझा।

कार्यालय नगरपालिका परिषद अकबरपुर-अम्बेडकरनगर

संख्याः 5/2 न०पा०प०अ०/ निविदा सूचना/2025-26 दिनांकः- 10.03.2026

अत्यल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण/ फर्मों/ठेकेदारों/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि इस निकाय द्वारा निम्नांकित सामग्री का क्रय/आपूर्ति किया जाना है, सामग्री की आपूर्ति के लिए दर अनुबंध हेतु सीलबंद निविदायें दिनांक 18.03.2026 को शाम 03:00 बजे तक सीलबंद निविदा बाक्स में आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन शाम 03:30 बजे फर्मों ठेकेदारों के उपस्थित/अनुप-स्थिति में अधोहस्ताक्षरी द्वारा खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक- 17.03.2026 को समय 04:00 पी०एम० तक 1000.00 रू० नगद मूल्य पर कार्यालय नगर पालिका परिषद अकबरपुर-अम्बेडकरनगर से की जायेगी। उपरोक्त तिथियों में अवकाश की दशा में निविदा की बिक्री एवं प्राप्ति अगले कार्य दिवस में की जायेगी।

क्र०स०	विवरण
1	नगर क्षेत्र में 09 मीटर हाईमास्ट लाईट स्थापना कार्य।
2	पुरानी तहसील तिराहे पर 12.5 भी० हाईमास्ट लाईट स्थापना का कार्य।

मुख्य शर्तेः

1. निविदा के साथ जी०एस०टी० पंजीयन की प्रति तथा नोटरी द्वारा सत्यापित 100/-रू0 के स्टाम्प पेपर पर स्वघोषणा पत्र व 100/-रू० के स्टाम्प पेपर पर 1/-रू० का रसीदी टिकट चस्पा कर संलग्न करना अनिवार्य है।
2. निविदा के साथ 20,000.00 (बीस हजार रू० मात्र) नगद / एन०एस०सी० / एफ०डी०आर०/ टी०डी०आर०, जो अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद अकबरपुर के पदनाम से बंधन हो, संलग्न करना अनिवार्य है।
3. फर्म द्वारा उ०प्र० सरकार द्वारा जारी विद्युत सुरक्षा लाइसेंस (रएर क्लास) लाइसेंस की छायाप्रति लगाना अनिवार्य होगा।
4. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त अनुबंध कराने की जिम्मेदारी निविदादाता की होगी।
5. उक्त आपूर्ति का कार्य कार्यालय नगर पालिका परिषद अकबरपुर में करना अनिवार्य है. इस हेतु किसी अन्य प्रकार का शुल्क देय नहीं होगा।
6. निविदा बिना कारण बताये स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होना।
7. अन्य नियम व शर्तों की जानकारी कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में की जा सकती है।
8. कार्य संतोषजनक होने कथा धनराशि की उपलब्धता के आधार पर ही भुगतान किया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगरपालिका परिषद
अकबरपुर-अम्बेडकरनगर

अध्यक्ष,
नगरपालिका परिषद
अकबरपुर-अम्बेडकरनगर

लखनऊ प्रशासन बोला- भड़काऊ भाषण नहीं होना चाहिए, कोविड के नियम भी फॉलो करें

शंकराचार्य को 26 शर्तों के साथ धर्म सभा की अनुमति

धर्मसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर । शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की सभा की लखनऊ प्रशासन से अनुमति मिल गई है। हालांकि, 26 शर्तें भी रखी गई हैं। प्रशासन के मुताबिक, किसी भी शर्त के टूटने पर अनुमति रद्द हो जाएगी। सभा में धर्म, जाति, समुदाय या भाषा के खिलाफ भड़काने वाली बात नहीं होगी। कोविड के नियमों का भी पालन करना होगा। किसी भी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी आयोजकों की होगी।

7 मार्च से काशी से शुरू हुई शंकराचार्य की "गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा" आज देर रात लखनऊ में प्रवेश करेंगे। 11 मार्च को वे लखनऊ में धर्मसभा करेंगे। इसमें सरकार से गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग करेंगे। अभी शंकराचार्य सीतापुर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने कहा- गो-रक्षा से ही दुनिया की रक्षा संभव है। यात्रा का मुख्य उद्देश्य गो-माता की रक्षा करना है। उन्होंने कहा- जनता अब जान चुकी है कि किसी भी दशा में गो-माता की हत्या स्वीकार नहीं की जाएगी। जनता ने यह ठान लिया है, इसलिए अब इसे करना ही होगा। राजनीतिक दल शंकराचार्यों की गरिमा को गिरा रहे हैं। कई लोग खुद को शंकराचार्य बताकर राजनीति कर रहे हैं। CM योगी से टकराव के बीच शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने उनकी मां के खिलाफ आपत्तिजनक बयानबाजी पर नाराजगी जताई।

शंकराचार्य की धर्म यात्रा सीतापुर पहुंची है। यहां उन्होंने ललिता देवी मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

शंकराचार्य को लखनऊ में सभा करने की अनुमति मिली

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की सभा की लखनऊ प्रशासन से अनुमति मिल गई है। हालांकि, 26 शर्तें भी रखी गई हैं। प्रशासन के मुताबिक, किसी भी शर्त के टूटने पर अनुमति रद्द हो जाएगी। पुलिस के सभी आदेश मानने होंगे। सभा में धर्म, जाति, समुदाय या भाषा के खिलाफ भड़काने वाली बात नहीं होगी। किसी भी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी आयोजकों की होगी।

> शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने सीतापुर में कहा- यात्रा का मुख्य उद्देश्य गो-माता की रक्षा करना है। जनता अब स्पष्ट रूप से जान चुकी है कि किसी भी दशा में गो-माता की हत्या स्वीकार नहीं की जाएगी। जनता ने यह ठान लिया है, इसलिए अब इसे करना ही होगा।

शंकराचार्य बोले- महर्षि दधीचि ने गाय के लिए देह त्यागी तो क्या हम आवाज भी नहीं उठा सकते

सीतापुर के सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में पूजा करने के बाद शंकराचार्य ने कहा- महर्षि दधीचि की स्थली पर बैठकर यह महसूस हुआ कि जब पूर्वजों ने गायों की रक्षा के लिए देह त्याग दी तो क्या हम सब आवाज भी नहीं उठा सकते। क्या हाथ की उंगली से वोट भी नहीं डाल सकते। लखनऊ प्रशासन ने धर्मसभा की अनुमति दे दी है, लेकिन बहुत सारे नियम लागू किए हैं।

शंकराचार्य बोले- गो-रक्षा से ही दुनिया की रक्षा संभव

शंकराचार्य ने कहा- यात्रा के दौरान लोगों का समर्थन मिल रहा है, लेकिन कुछ लोग, जैसे आशुतोष ब्रह्मचारी, इसे रोकने की मांग कर रहे हैं। यह वही लोग हैं, जो पहले गो-तस्करी के मामलों में पकड़े गए थे। जेल भी गए। ऐसे लोग गो-रक्षा यात्रा को आगे बढ़ने नहीं देंगे। इनका इरादा यात्रा को रोकना ही है। मिडिल ईस्ट युद्ध के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह सब इसलिए हो रहा है, क्योंकि लोग सुख-शांति का आधार मानी जाने वाली गो-माता की अनदेखी कर रहे हैं। गो-रक्षा से ही दुनिया की रक्षा संभव है। पहले से ही यह तय है कि जब गाय खतरे में होगी, तो पूरा विश्व भी खतरे में आ जाएगा।

अवैध अतिक्रमण को हटाए जाने के निर्देश : जिलाधिकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । जिलाधिकारी ने शहर के अन्दर दशहराबाग में लगने वाली मौरंग मंडी को कार्ययोजना बनाकर शहर से बाहर किए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने बाराबंकी-अयोध्या मार्ग पर स्थित रॉयल पद्मा रेस्टोरेंट के सामने बने अवैध कट को तत्काल बन्द कराए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सतरिख नाके पर स्थित विद्युतपोल और अवैध अतिक्रमण को हटाए व अन्य चारपहिया वाहनों की गति को नियंत्रित करने के प्रयास किये जायें। तेजगति वाहनों का चालान किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि गतवर्ष की तुलना में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के प्रयास किये जाए। सड़कों पटरियों पर जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सड़कों के किनारे उगी बड़ी-बड़ी झाड़ियों की कटाई छटाई शीघ्रता से कराई जाए। इस मौके पर सड़क सुरक्षा समिति के सदस्यगण व सम्बंधित अधिकारी-गण उपस्थित रहे।

फास्ट न्यूज

टीम बाराबंकी का शानदार प्रदर्शन

बाराबंकी । जनपद ने फरवरी माह में प्रदेश स्तर पर जारी दो महत्वपूर्ण रैंकिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की है। शासन स्तर से विभिन्न विकास कार्यों, लाभार्थीपरक योजनाओं की प्रगति तथा जन शिकायतों के निस्तारण की मॉनिटरिंग के आधार पर जारी रैंकिंग में जनपद को बेहतर स्थान प्राप्त हुआ है। प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति के आधार पर जारी सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में जनपद को प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है।

महिला दिवस पर केएम अस्पताल की बड़ी पहल

मथुरा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर केएम विश्वविद्यालय में महिला सम्मान, सशक्तिकरण और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष एवं केएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि केएम अस्पताल में यदि किसी गर्भवती महिला के यहां बेटी का जन्म होता है तो नॉर्मल या सिजेरियन डिलीवरी का पूरा खर्च मैं स्वयं उठाऊंगा।

कानपुर का गंगा मेला-सपा विधायक जमकर नाचे

कानपुर । आज मंगलवार को कानपुर में गंगा मेला है, होली खेली गई। रंगों में सराबोर सपा विधायक अमिताभ बाजपेई ने लोगों के साथ जमकर डांस किया। मेस्टन रोड में मुस्लिमों ने हिंदुओं का फूल बरसाकर स्वागत किया। माला भी पहनाई। ट्रैक्टर ट्रॉलियों और ऊंट पर सवार होकर हुरियारे निकले। जमकर रंग-गुलाल बरसा।

'ब्लैक स्पॉटों की तकनीकी खामियों को कराए दूर'

तमसा संकेत, संवाददाता

- सड़क सुरक्षा के लिए प्रशासन त्वरित और प्रभावी कार्यवाही के लिए तत्पर
- दुर्घटना बाहुल्य ब्लैक स्पॉटों पर रेडियम व संकेतक लगाने के निर्देश

बाराबंकी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों के साथ लोकसभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिये अधिकारी प्रभावी कदम उठाए। जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व में हुई दुर्घटनाओं की समीक्षा करके उनकी पुनरावृत्ति पर रोक लगाने के लिये आवश्यक कदम उठाए जाए। दुर्घटना बाहुल्य इलाकों को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हाकिंत करते हुए उन स्थानों पर संकेतक लगाकर दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय किए जाए। जिले के दुर्घटना बाहुल्य स्थानों असेनी मोड़, दारापुर मोड़, सफेदाबाद, रसौली मोड़, सफदरगंज मोड़, दादरा मोड़, लक्षबर बजहा मोड़, प्रतापगंज मोड़, बभौरा मोड़, आदि स्थानों पर यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी ब्लैक स्पॉट वाले स्थानों पर दुर्घटनाओं के रोकने के विशेष प्रयास किये जायें तो निश्चित रूप से दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 151 महिला पुलिसकर्मियों को किया गया सम्मानित

श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में 'नारी शक्ति सम्मान-2026' का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अमरोहा पुलिस द्वारा 'नारी शक्ति सम्मान-2026' का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में बहादुरी, सूझबूझ और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देने वाली 151 महिला पुलिसकर्मियों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम आजाद सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक आईपीएस अमित कुमार आनंद, विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, विख्यात साहित्यकार एवं कवयित्री प्रो. डॉ. मधु चतुर्वेदी तथा सर्किल ऑफिसर एवं कार्यक्रम संयोजक अंजलि कटारिया ने सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों ने अदम्य साहस, धैर्य, अनुशासन और सूझबूझ के बल पर पुलिस विभाग में अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि अमरोहा पुलिस की महिला कर्मियों ने सैकड़ों बच्चों की जान बचाने, पारिवारिक विवादों और तलाक जैसे मामलों को आपसी सहमति से सुलझाने, सड़क दुर्घटनाओं को रोकने तथा दुर्घटनाओं के दौरान पीड़ितों की मदद करने जैसे सराहनीय कार्य किए हैं। इसके अलावा बाल मजदूरी और जबरन भीख मंगवाने जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

> विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि वेंकटेश्वर परिवार बहादुर महिला पुलिसकर्मियों को सम्मानित कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक और राष्ट्रीय सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों के आयोजन में भी सक्रिय भूमिका निभाता रहा है।

उन्होंने कहा कि आज मातृशक्ति की उपलब्धियों के बल पर भारत फिर से विश्व गुरु बनने की दिशा में अग्रसर है। खेल, कला, विज्ञान, प्रशासन और राजनीति सहित हर क्षेत्र में महिलाएं न केवल पुरुषों के बराबर कदम मिला रही हैं, बल्कि कई क्षेत्रों में उनसे आगे बढ़कर देश और विदेश में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अक्टूबर 2025 से मिशन शक्ति और महिला सहायता केंद्रों की टीमों ने 1500 से अधिक पारिवारिक विवादों का समाधान आपसी सहमति से कराया है। कार्यक्रम के दौरान विख्यात कवयित्री प्रो. डॉ. मधु चतुर्वेदी ने मातृशक्ति के सम्मान में काव्य पाठ प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया।

पुलिस के सामने ग्रामीणों ने आरोपी बाबा की पिटाई की, पिता की तहरीर पर जांच शुरू

मासूम से कुकर्म का आरोप वीडियो वायरल होने पर हड़कंप

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जैंत थाना क्षेत्र के एक गांव में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां भजन कुटी में रहने वाले एक व्यक्ति पर एक मासूम बच्चे के साथ कुकर्म करने का गंभीर आरोप लगा है। घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पीड़ित के पिता ने आरोपी के खिलाफ थाना जैंत में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। बताया गया कि डर के कारण मासूम ने कई दिनों तक घर में इस घटना का जिक्र नहीं किया। लेकिन उसके व्यवहार में आए बदलाव और घबराहट को देखकर परिजनों को शक हुआ। जब परिवार वालों ने बच्चे से सख्ती से पूछताछ की तो उसने पूरी घटना बता दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। बताया जाता है कि जब उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम आरोपी को पकड़कर ले जा रही थी, उसी दौरान आक्रोशित ग्रामीणों ने उसे घेर लिया और पुलिस के सामने ही उसकी जमकर पिटाई कर दी। पुलिस ने किसी तरह आरोपी को ग्रामीणों से बचाकर अपने कब्जे में लिया। फिलहाल पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद गांव में भारी आक्रोश व्याप्त है और ग्रामीण आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

कृष्ण दास नामक व्यक्ति ने बच्चे को सामान मंगाने के बहाने कुटी के अंदर बुला लिया

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 6 मार्च 2026 को उनका नाबालिग पुत्र घर के पास खेल रहा था। आरोप है कि गांव की लाठी वाली मढ़ी स्थित साधू बाबा भजन कुटी में रहने वाले कृष्ण दास नामक व्यक्ति ने बच्चे को सामान मंगाने के बहाने कुटी के अंदर बुला लिया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपी ने बच्चे को डरा-धमकाकर कुटी के अंदर बंद कर दिया और उसके साथ कुकर्म किया। साथ ही बच्चे को धमकी दी कि यदि उसने किसी को इस बारे में बताया तो उसे जान से मार देगा।

बताया जा रहा है कि घटना का किसी ने वीडियो भी बना लिया था, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जब यह वीडियो पीड़ित परिवार तक पहुंचा तो परिवार के होश उड़ गए। इसके बाद 9 मार्च को पीड़ित पिता ने थाना जैंत पहुंचकर आरोपी कृष्ण दास के खिलाफ नामजद तहरीर दी।

गोवर्धन पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दो शातिर चोर किए गए गिरफ्तार

सकरवा बाईपास से दबोचे गए आरोपी, मास्टर चाबी से करते थे बाइक चोरी

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। गोवर्धन थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की छह मोटरसाइकिल, एक मास्टर चाबी तथा एक अवैध तमंचा व कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 10 मार्च को रात करीब 1 बजे सकरवा बाईपास स्थित सकरवा चौराहे पर चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उनकी पहचान रवि पुत्र सीताराम निवासी हयातपुर थाना खोह जिला डींग (राजस्थान) तथा अरबाज पुत्र वसीर निवासी रूंन्ध थाना खोह जिला डींग (राजस्थान) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से विभिन्न स्थानों से चोरी की गई छह मोटरसाइकिल, एक मास्टर चाबी, एक अवैध तमंचा .315 बोर तथा एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। बरामद मोटरसाइकिलों में हीरो स्प्लेंडर व एचएफ डीलक्स सहित कई बाइक शामिल हैं। इनमें से एक बाइक हरियाणा के फरीदाबाद से चोरी की पाई गई, जबकि एक बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी। इस संबंध में मथुरा के गोवर्धन थाना में मुकदमा संख्या 114/2026 के तहत बीएनएस की धारा 318(4), 317(2), 317(5) तथा 3/25 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।इस कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक भगवत सिंह गुर्जर के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। टीम में निरीक्षक मनोज कुमार उज्ज्वल, उपनिरीक्षक कृपाल सिंह, उपनिरीक्षक चौधरी सतेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल उपनीश बाबू, कांस्टेबल रिंकू चौधरी, प्रीत कुमार और राहुल बाल्यान शामिल रहे।

पुलिस के अनुसार आरोपी मास्टर चाबी की मदद से विभिन्न स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी करते थे। उनसे पूछताछ कर अन्य वारदातों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

'एक लीटर तेल भी ...

वहीं ईरान ने भी जवाब देते हुए कहा है कि वह धमकियों से डरने वाला नहीं है और जो लोग ईरान को खत्म करने की बात करते हैं, उन्हें अपने अंजाम के बारे में सोच लेना चाहिए।

ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी ने कहा कि ईरानी लोग अमेरिका की धमकियों से नहीं डरते। लारीजानी ने कहा कि पहले भी कई ताकतवर लोग ईरान को खत्म करने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन वे सफल नहीं हुए।

ईरानी महिला ...

ट्रंप के बयान से लगता है कि अमेरिका जल्दी समाप्ति चाहता है, लेकिन ईरान की ओर से अभी भी चुनौती बनी हुई है। स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

ईरान के हमलों में ...

56 साल के मोजतबा खामेनेई पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे हैं।

अली खामेनेई युद्ध के शुरुआती अमेरिकी-इजरायली हमलों में मारे गए थे। मोजतबा की नियुक्ति को ईरान ने कड़ा संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

'महिला फुटबॉल ...

यह बयान ऐसे समय आया है जब टीम के पांच खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया में शरण की मांग की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि टीम के खिलाड़ियों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। ईरान के जनरल प्रॉसीक्यूटर के कार्यालय ने भी बाकी खिलाड़ियों को "शांति और भरोसे" के साथ देश लौटने का निमंत्रण दिया है।

दरअसल 3 मार्च को एशियन कप टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले ईरान के राष्ट्रगान के दौरान कुछ खिलाड़ियों ने मौन रहकर विरोध जताया था, जिसके बाद उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी। इस बीच रिपोर्ट्स के मुताबिक टीम के पांच खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया में शरण मांग ली है।

जम्मू-कश्मीर के ...

पोस्ट में बताया गया था कि इन आतंकियों में जैश का कमांडर सैफुल्लाह भी मारा गया है। सैफुल्लाह किश्तवाड़ में आतंक का सरगना था। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि किश्तवाड़ में उनके अलावा जम्मू कश्मीर पुलिस और CRPF समेत सेना की इंटेलीजेंस एजेंसी भी शामिल रहीं।

'सरकार कोविड...

वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स से जुड़े आंकड़े समय-समय पर पब्लिक डोमेन में रखा जाएगा।

इस फैसले का मतलब यह नहीं होगा कि व्यक्ति दूसरे कानूनी उपायों का सहारा नहीं ले सकता।

मुआवजा नीति का यह मतलब नहीं होगा कि सरकार या किसी दूसरी अथॉरिटी ने अपनी गलती मान ली है।

पिछले साल 13 नवंबर को इन याचिकाओं पर लंबी बहस हुई थी। इसके बाद जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा था कि कोर्ट के साथ-साथ दूसरे मुद्दों पर भी फैसला करेगा। जस्टिस नाथ ने आदेश सुरक्षित रखते हुए कहा था-हम तय करेंगे कि समिति का गठन किया जाना है या नहीं, क्या निर्देश जारी किए जाने हैं। हम हर चीज की बारीकी से जांच करेंगे।

पात्र वोटर का नाम ...

इसके बाद वे दिल्ली रवाना हो गए। मुख्य चुनाव आयुक्त के लौटते ही पांच दिन से धरने पर बैठीं CM ममता बनर्जी ने धरना खत्म कर दिया।

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। यहां मतदान प्रतिशत हमेशा काफी अधिक रहता है। राज्य के मतदाता संविधान का सम्मान करते हैं और शांतिपूर्ण चुनाव में विश्वास रखते हैं।

इस दौरान उन्होंने चुनाव आयोग का एक नारा भी बताया- "चुनाओ पर्वो, पश्चिमबंगेर गर्वो" (यानी चुनाव का पर्व पश्चिम बंगाल का गर्व है)।

इसके पहले ज्ञानेश कुमार को सुबह फिर लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। ज्ञानेश कुमार दक्षिणेश्वर काली मंदिर गए थे, जहां लोगों की भीड़ ने गो बैक नारे लगाए और काले झंडे दिखाए।

यूसीसी लागू करने ...

CJI सूर्यकांत,जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा- शरियत कानून की धाराएं रद्द कर दी गईं तो मुस्लिम समुदाय में संपत्ति के बंटवारे को लेकर कोई स्पष्ट कानून नहीं बचेगा। इससे कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है।

CJI: सुप्रीम कोर्ट पहले भी कई बार सरकार से समान नागरिक संहिता लागू करने को कह चुका है। अलग-अलग समुदायों के लिए अलग नियम हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम सीधे किसी कानून को असंवैधानिक घोषित कर दें।

जस्टिस बागची: याचिका में भेदभाव का मुद्दा मजबूत है, लेकिन यह बेहतर होगा कि इस मामले को संसद (विधायिका) पर छोड़ दिया जाए, क्योंकि वही समान नागरिक संहिता (UCC) बना सकती है।

मुसलमानों के...

इसका मतलब यह है कि अगर किसी मुस्लिम परिवार में संपत्ति या शादी से जुड़ा विवाद होता है, तो अदालत शरियत के आधार पर फैसला कर सकती है। हालांकि, यह कानून केवल निजी मामलों पर लागू होता है।

चोरी, हत्या या अन्य आपराधिक मामलों में देश का सामान्य कानून ही लागू होता है। समय-समय पर इस कानून को लेकर बहस होती रही है, खासकर महिलाओं के अधिकारों को लेकर, क्योंकि कुछ मामलों में महिलाओं को पुरुषों के बराबर हिस्सा नहीं मिलता।

बिरला के खिलाफ ...

उन्होंने अपनी स्पीच में एक आर्टिकल का हवाला दिया। इस पर उन्हें मना किया गया, लेकिन सत्ता पक्ष के सांसदों ने भारत में बैन किताबें सदन में दिखाईं। उनसे कुछ नहीं कहा गया। इस तरह का भेदभाव स्वीकार नहीं है।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में कहा, जब संसद में सवाल उठाने के लिए पैसे लेने के आरोप में 11 सांसदों को निलंबित किया गया था, तब हमने स्पीकर से यह सवाल नहीं किया था कि क्या उनके पास ऐसा करने का अधिकार था।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि दिसंबर 2023 में स्पीकर ओम बिरला ने भारतीय पार्लियमेंट के इतिहास का सबसे बड़ा सस्पेंशन दिया, जिसमें विपक्ष के 100 सांसदों को सस्पेंड किया गया था। ये 2004 से हुए सस्पेंशन का 40% था। पिछले 20 साल में इस एक दिन में सदन के 40% सांसद सस्पेंड किए गए थे। ऐसा क्यों किया गया था क्योंकि संसद में घुसपैठ पर विपक्ष सरकार से जबाव मांग रहा था। क्या ये जरूरी मुद्दा नहीं था।

प्रियंका गांधी ने लोकसभा में कहा कि एक ही व्यक्ति है इस देश में जो इन 12 सालों में इनके सामने झुका नहीं। वह नेता प्रतिपक्ष है। और वो नेता प्रतिपक्ष इस सदन में खड़े होके इनके सामने सच बोल देते हैं। सच्चाई वो जो बोलते हैं वह इनसे पचती नहीं है।

रिजिजू ने कहा...

फिर कहते हैं कि मुझे बोलने नहीं दिया जाता है। पहली बार मैंने ऐसा दृश्य देखा कि नेता प्रतिपक्ष पीएम को गले लगा रहा है। अपनी सीट पर बैठकर अपने सांसद को आंख मारता है। जैसा लीडर है तो बाकी के सांसद भी वैसे ही होंगे। मेंबर चेयर को यार कहते हैं। फिर कहतें हैं कि इसमें गलत क्या है (वेणुगोपाल ने चेयर को यार कहा था। प्रियंका को LoP बनाते तो कुछ अच्छा होता। देखिए प्रियंका हंस रही हैं। जो अच्छा व्यवहार करे तो उसकी सराहना करनी चाहिए। विपक्ष ने हंगामा किया। रिजिजू बोले- मैंने अच्छा बोला है। कांग्रेस क्यों नाराज हो रही है।

ज्यूडीशियरी ...

25 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद 'ज्यूडीशियल करप्शन' चैप्टर वाली NCERT किताब की बिक्री पर रोक लगा दी गई थी।

टीम इंडिया को 131 करोड़ देगा बीसीसीआई

खिलाड़ियों, स्टाफ और सिलेक्टर्स को बधाई दी, भारत तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन

ऐलान

अहमदाबाद, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने भारतीय क्रिकेट टीम को आईसीसी टी-20 विश्व कप 2026 जीतने पर 131 करोड़ रुपये के इनाम का ऐलान किया है। भारत ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद BCCI ने खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और चयनकर्ताओं को बधाई देते हुए उनकी उपलब्धि की सराहना की है। फाइनल मुकाबला नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया, जहां भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। पूरे मैच के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने बेहतरीन बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग का प्रदर्शन किया, जिससे टीम को यादगार जीत हासिल हुई।

टी-20 विश्व कप के इतिहास में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने अब तक दो-दो बार यह खिताब जीता है। वहीं भारत अब तीन बार टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन गया है, जिससे वह इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल टीम बनकर उभरा है। भारत की इस ऐतिहासिक जीत से पूरे देश में जश्न का माहौल है। क्रिकेट प्रशंसक सोशल मीडिया और सड़कों पर टीम इंडिया की जीत का उत्सव मना रहे हैं।

भारतीय टीम को 27.5 करोड़ प्राइजल मनी मिली

रिपोर्ट के मुताबिक, टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारतीय टीम को 3 मिलियन डॉलर (करीब 27.5 करोड़ रुपए) की इनामी राशि मिली। वहीं, रनर-अप न्यूजीलैंड को 1.6 मिलियन डॉलर (करीब 14.7 करोड़ रुपए) दिए गए। हालांकि, इस बार ICC ने प्राइज मनी की आधिकारिक घोषणा नहीं की थी, जबकि आमतौर पर हर टूर्नामेंट में इसकी जानकारी पहले ही दे दी जाती है।

भारत 3 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहला देश

भारतीय टीम 2024 के बाद 2026 में भी चैंपियन बनी और टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब डिफेंड करने वाली पहली टीम बन गई। इसके साथ ही इंडिया तीन टी-20 वर्ल्ड कप (2007, 2024 और 2026) जीतने वाली दुनिया की पहली टीम भी बन गया।

सूर्या का 500 साल पुरानी बावड़ी में फोटोशूट

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ियों के जश्न के अलग-अलग अंदाज देखने को मिले। कप्तान सूर्यकुमार यादव गुजरात के गांधीनगर स्थित 500 साल पुरानी ऐतिहासिक बावड़ी अडालज नी वाव में ट्रॉफी के साथ फोटोशूट करते नजर आए। वहीं क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यह जीत भारतीय क्रिकेट के लिए एक नया स्वर्णिम अध्याय साबित होगी।

भारत के नाम अब तीन टी-20 वर्ल्ड कप

इस जीत के साथ भारत के नाम अब टी-20 विश्व कप की कुल तीन ट्रॉफियां हो गई हैं। भारत ने पहला खिताब आईसीसी टी-20 विश्व कप 2007 में जीता था, जब टूर्नामेंट दक्षिण अफ्रीका में आयोजित हुआ था। इसके बाद दूसरा खिताब आईसीसी टी-20 विश्व कप 2024 में वेस्टइंडीज में जीता गया था।

बीसीसीआई ने जताया गर्व

BCCI ने अपनी घोषणा में कहा कि भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाया और फाइनल में दबाव के बावजूद बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश को गौरवान्वित किया। बोर्ड ने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, टीमवर्क और कोचिंग स्टाफ के मार्गदर्शन का ही नतीजा है कि भारत ने यह बड़ी उपलब्धि हासिल की।

मैथ्यू हेडन गुजरात टाइटंस के नए बैटिंग कोच बने

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर 2026 सीजन के लिए टीम से जुड़े

भोपाल, एजेंसी

IPL 2026 से पहले गुजरात टाइटंस ने अपनी कोचिंग टीम में बदलाव किया है। फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर मैथ्यू हेडन को टीम का नया बैटिंग कोच नियुक्त किया। हेडन दो बार के वनडे वर्ल्ड कप विजेता हैं और अपने जमाने के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में गिने जाते रहे हैं। गुजरात टाइटंस ने सोशल मीडिया के जरिए इस फैसले की जानकारी दी। हेडन की नियुक्ति ऐसे समय पर हुई है जब टीम अपनी बैटिंग यूनिट को नए सिरे से तैयार करने की कोशिश कर रही है। विक्रम सोलंकी बोले- हेडन के आने से युवाओं को फायदा होगा फ्रेंचाइजी के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट विक्रम सोलंकी ने कहा कि हेडन का अनुभव टीम के लिए टर्निंग पॉइंट साबित होगा। हेडन की नियुक्ति

पर बात करते हुए सोलंकी ने कहा,'मैथ्यू हेडन का हमारी टीम से जुड़ना एक अहम पड़ाव है। इंटरनेशनल क्रिकेट में उनका जो अनुभव रहा है और युवाओं को निखारने की जो उनकी काबिलियत है, उससे हमारी टीम को अपनी एक अलग पहचान बनाने में मदद मिलेगी। आने वाले सीजन के लिए वह हमारी बैटिंग लाइनअप को मजबूत करेंगे।'

रिंकू सिंह ने पिता के लिए इमोशनल पोस्ट किया

लिखा- आपने सिखाया था फर्ज सबसे आगे, उसे पूरा करने की कोशिश की

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद अपने दिवंगत पिता खानचंद सिंह के लिए इमोशनल पोस्ट किया है। भारत ने रविवार को फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब जीता। यह मैच अहमदाबाद में खेला गया था। 27 फरवरी को रिंकू सिंह के पिता का निधन हो गया था। वह लंबे समय से स्टेज-4 लिवर कैंसर से जूझ रहे थे। रिंकू ने इंस्टाग्राम पर लिखा, आपसे बात किए बिना इतने दिन कभी नहीं निकले। मुझे नहीं पता आगे की जिंदगी आपके बिना कैसे चलेगी, पर मुझे हर कदम पर आपकी जरूरत पड़ेगी। उन्होंने आगे लिखा, आपने ही सिखाया था कि फर्ज सबसे आगे

है, तो मैदान पर सिर्फ आपका सपना पूरा करने की कोशिश कर रहा था। आपका सपना पूरा हो गया है, काश आप पास होते। रिंकू के पिता खांचंद सिंह लंबे समय से लीवर कैंसर से जूझ रहे थे। यह चौथे स्टेज का कैंसर था। पिछले महीने उनकी हालत बहुत खराब हो गई। रिंकू वर्ल्ड कप के दौरान पिता से मिलने घर भी गए थे। लेकिन 27 फरवरी 2026 को ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में उनके पिता का निधन हो गया। रिंकू ने अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया और फिर टीम में लौट आए। रिंकू सिंह को 2024 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के स्क्वॉड में जगह नहीं मिली थी और वे ट्रैवलिंग रिजर्व थे। लेकिन इस बार उन्हें मौका मिला और उन्होंने भारत के लिए अपना पहला वर्ल्ड कप खेला। टूर्नामेंट में उन्होंने 5 मैच खेले और 24 रन बनाए।

राष्ट्रीय गान विवाद के बाद लौटने से इनकार किया, एशियन कप खेलने गई थीं खिलाड़ी

पांच ईरानी फुटबॉल खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया ने शरण दी

ब्रिस्बेन, एजेंसी

ईरान की महिला फुटबॉल टीम की पांच खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया ने मानवीय आधार पर वीजा देकर अपने देश में रहने की अनुमति दे दी है। यह फैसला उस समय लिया गया जब खिलाड़ियों ने संभावित कार्रवाई के डर से ऑस्ट्रेलिया में शरण मांगी थी। ऑस्ट्रेलिया के होम अफेयर्स मंत्री टोनी बर्क ने जानकारी दी कि इन खिलाड़ियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है और उनकी वीजा प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि यह निर्णय खिलाड़ियों के लिए बेहद कठिन रहा होगा, लेकिन अब वे सुरक्षित हैं। उन्होंने उस पल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी साझा कीं, जिनमें

खिलाड़ी मुस्कुराते और ताली बजाते नजर आ रही हैं। इसी माहौल के चलते टीम की कुछ खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने का फैसला किया। टीम में कुल 26 खिलाड़ी और स्टाफ मौजूद थे, लेकिन फिलहाल सिर्फ पांच खिलाड़ियों ने ही शरण मांगी है। बाकी खिलाड़ी अभी अपने निर्णय पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि उनके परिवार ईरान में रहते हैं और उन्हें उनके खिलाफ कार्रवाई की आशंका है।

राष्ट्रगान नहीं गाने के बाद शुरू हुआ विवाद

दरअसल, पिछले सप्ताह एशियन कप के दौरान ईरान महिला फुटबॉल टीम ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच से पहले राष्ट्रगान नहीं गाया था। इस घटना के बाद ईरान में कुछ लोगों ने खिलाड़ियों की कड़ी आलोचना की और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी उठने लगी।

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने की पुष्टि

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी पुष्टि की कि इन पांच खिलाड़ियों को मानवीय वीजा दिया गया है। इस वीजा के तहत वे ऑस्ट्रेलिया में रह सकती हैं, नौकरी कर सकती हैं और पढ़ाई भी जारी रख सकती हैं। इस मामले को लेकर अंतर-राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा हुई। डोनाल्ड ट्रम्प ने भी बयान दिया था कि अगर जरूरत पड़ी तो संयुक्त राज्य अमेरिका भी इन खिलाड़ियों को शरण देने के लिए तैयार है।

"ईरानी महिला फुटबॉल टीम का यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। खेल जगत के साथ-साथ मानवाधिकार संगठनों ने भी खिलाड़ियों की सुरक्षा और स्वतंत्रता को लेकर चिंता जताई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस घटनाक्रम ने खेल और राजनीति के जटिल रिश्तों को एक बार फिर उजागर कर दिया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया सरकार के इस फैसले को कई लोगों ने मानवीय कदम बताते हुए सराहा है।

होटल से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया

सुबह ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस अधिकारियों ने गोल्ड कोस्ट के एक होटल से इन पांच खिलाड़ियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। खिलाड़ियों ने वहां से औपचारिक रूप से शरण के लिए आवेदन किया था। बाद में उनकी मुलाकात होम अफेयर्स मंत्री टोनी बर्क से कराई गई, जहां उनकी मानवीय वीजा प्रक्रिया पूरी की गई। मंत्री ने बताया कि दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते समय खिलाड़ियों के चेहरों पर राहत और खुशी साफ दिखाई दे रही थी।

मनोरंजन

10 जुलाई को रिलीज होगी स्पाई यूनिवर्स की फिल्म, मेकर्स ठुकरा चुके ₹215 करोड़ की ओटीटी डील

आलिया की फिल्म अल्फा की रिलीज डेट हुई अनाउंस

नई दिल्ली। आलिया भट्ट, शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल स्टारर स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' 10 जुलाई 2026 को रिलीज होगी। प्रोडक्शन हाउस यश राज फिल्म्स (YRF) ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की पुष्टि की है। पहले यह फिल्म 2025 में आने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई थी। फिल्म 'अल्फा' को लेकर पहले यह चर्चा थी कि इसे सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स को नेटफ्लिक्स की ओर से 215 करोड़ रुपए की डील का ऑफर मिला था। हालांकि, आदित्य चोपड़ा और उनकी टीम ने इसे ठुकरा दिया।

शिव खैल ने किया है डायरेक्शन

फिल्म 'अल्फा' का निर्देशन शिव रवैल ने किया है और इसे आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है। बॉक्स ऑफिस क्लैश की बात करें तो फिलहाल 10 जुलाई के आस-पास किसी बड़ी फिल्म की रिलीज नहीं है। यह सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' (4 जून) के करीब एक महीने बाद रिलीज होगी। ऐसे में फिल्म को सिनेमाघरों में अच्छी स्क्रीन मिलने की संभावना है।

फिल्म में आलिया-शरवरी का दमदार एक्शन

इस फिल्म में पहली बार आलिया भट्ट और शरवरी वाघ लीड रोल में जासूसी करती नजर आएंगी। फिल्म में दोनों का हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेगा। इनके साथ ही अनिल कपूर और बॉबी देओल भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में हैं। हालांकि, मेकर्स ने अब तक उनके किरदारों को लेकर कोई जानकारी साझा नहीं की है।

फिल्म 'अल्फा' की घोषणा साल 2024 में की गई थी। पहले इसे 17 अप्रैल 2026 को रिलीज करने की योजना थी, लेकिन अब नई तारीख 10 जुलाई तय की गई है।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर देश बर्बाद करेंगे : एलनाज

बोलीं- कहा- मुजतबा खामेनेई को सुप्रीम लीडर किसने चुना

नई दिल्ली। ईरानी मूल की सेक्रेड गेम्स फेम एक्ट्रेस एलनाज नोरौजी ने मुजतबा खामेनेई को ईरान के नए सुप्रीम लीडर बनाए जाने पर कड़ा विरोध जताया है। एलनाज का कहना है कि मोजतबा के हाथों में ईरान का भविष्य बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर मोजतबा को सुप्रीम लीडर किसने चुना है। इससे पहले एलनाज ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत का समर्थन किया था। अब एलनाज ने कहा है कि वहां की सरकार लोगों की नहीं सुनती। लोग अपनी मर्जी से वोट भी नहीं दे सकते। वहां विरोध करने

वालों को जेल में डाल दिया जाता है या गोली मार दी जाती है। एलनाज ने यह भी कहा कि इंडिया उनका दूसरा घर है, जहां वह बहुत खुश और सुरक्षित महसूस करती हैं। वह यहीं रहकर अपना काम जारी रखना चाहती हैं। ईरान में जन्मी एलनाज का परिवार उनके बचपन में ही जर्मनी चला गया था। उनके पास जर्मनी की नागरिकता है। अपने पुराने दिनों को याद करते हुए एलनाज ने बताया कि जब वह महज 6 साल की थीं, तब स्कूल में उनसे जबरन 'अमेरिका और इजराइल की मौत' के नारे लगवाए जाते थे। उनके मुताबिक, ईरान की सरकार अपनी विचारधारा लोगों पर थोपती है। वहां लोगों के पास कोई अधिकार नहीं हैं। एलनाज ने ईरान की आर्थिक स्थिति पर भी दुख जताया। उन्होंने बताया कि ईरान तेल और प्राकृतिक संसाधनों से बहुत अमीर देश है, लेकिन सरकार ने इसे बर्बाद कर दिया है। वहां की करेंसी की वैल्यू 98 परसेंट तक गिर चुकी है।

आमिर का 'लाहौर 1947' टाइटल बदलने से इनकार

बोले- फिल्म का शीर्षक वही रहेगा

मुबंई। हाल ही में सोशल मीडिया और कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया कि सनी देओल स्टारर फिल्म 'लाहौर 1947' का नाम बदलकर 'बंटवारा 1947' कर दिया गया है। लेकिन अब फिल्म के प्रोड्यूसर आमिर खान ने इन खबरों को पूरी तरह गलत बताते हुए साफ कर दिया है कि फिल्म का टाइटल नहीं बदला गया है। बॉलीवुड हंगमा की रिपोर्ट के मुताबिक आमिर खान ने एक बयान में कहा कि फिल्म के नाम को लेकर जो खबरें सामने आ रही हैं, वे सही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनकी फिल्म का नाम 'लाहौर 1947' ही है और इसमें किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट पर यह चर्चा तेज थी कि फिल्म का नाम बदलकर 'बंटवारा 1947' रखा जा सकता है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि भारत-पाकिस्तान के मौजूदा राजनीतिक माहौल को देखते

हुए लाहौर शब्द विवाद पैदा कर सकता है, इसलिए नाम बदलने पर विचार किया गया। हालांकि आमिर खान के बयान के बाद इन अटकलों पर विराम लग गया है। यह फिल्म मशहूर निर्देशक राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बन रही है और इसमें मुख्य भूमिका में सनी देओल नजर आएंगे। खास बात यह है कि सनी देओल और राजकुमार संतोषी की जोड़ी इससे पहले घायल, दामिनी और घातक जैसी सफल फिल्में दे चुकी है। इस वजह से दर्शकों को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। फिल्म की कहानी भारत के विभाजन यानी 1947 के दौर की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

लाइव कॉन्सर्ट में रो पड़ीं सुनिधि चौहान

गले में खराश की वजह से आवाज खराब हुई, फैंस से मांगी माफी, कहा- 100% देना चाहती थी

लखनऊ। भारत की मशहूर सिंगर सुनिधि चौहान इन दिनों अपने इंडिया म्यूजिकल टूर पर हैं। इसी दौरान लखनऊ में हुए एक कॉन्सर्ट में वे स्टेज पर रो पड़ीं। तबीयत खराब होने और गले में गंभीर समस्या के बावजूद सुनिधि परफॉर्मेंस देने पहुंची थीं, लेकिन आवाज साथ नहीं देने पर उनकी आंखों से आंसू निकल आए। सुनिधि ने हजारों की भीड़ के सामने अपनी खराब परफॉर्मेंस के लिए माफी भी मांगी। 7 मार्च को लखनऊ के कूलब्रीज रिसॉर्ट्स में सुनिधि का 'आई एम होम इंडिया टूर 2025-26 का इवेंट था। सुनिधि ब्लैक कलर के बॉडीसूट में स्टेज पर आईं, लेकिन गले में खराश के कारण उन्हें गाने में काफी दिक्कत हो रही थी। अब उनके रोने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि सुनिधि गाते-गाते

सुनिधि ने शीला की जवानी', 'कमली' और 'बीड़ी जलइले' जैसे कई सुपरहिट गाने दिए हैं।

रुक जाती हैं और रोने लगती हैं। हालांकि, फैंस ने उनका हौसला बढ़ाने के लिए लगातार चीयर किया। सुनिधि का यह 'आई एम होम' इंडिया टूर 24 दिसंबर 2025 को मुंबई से शुरू हुआ था। इसके तहत वे अब तक दिल्ली, बेंगलुरु, अहमदाबाद और चेन्नई जैसे बड़े शहरों में लाइव शो कर चुकी हैं। लखनऊ के इस कॉन्सर्ट को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड थे।

सुनिधि बोलीं- आज मेरी आवाज बहुत खराब

सुनिधि ने स्टेज से फैंस को संबोधित करते हुए कहा, 'मेरा गला बहुत खराब है। आज मेरी आवाज बहुत ज्यादा खराब है, लेकिन मुझे पता है कि आप मेरे साथ हैं। मेरे साथ ऐसा पहले कभी नहीं हुआ, यह बहुत शर्मनाक है। मुझे बहुत खेद है, मैं हमेशा अपना 100% देना चाहती हूं।' सुनिधि ने आगे कहा कि वे कोशिश कर रही हैं, लेकिन शायद परफॉर्मेंस वैसी न हो पाए जैसा उन्होंने सोचा था।

मुंबई से शुरू हुआ था 'आई एम होम' टूर

सुनिधि का यह 'आई एम होम' इंडिया टूर 24 दिसंबर 2025 को मुंबई से शुरू हुआ था। इसके तहत वे अब तक दिल्ली, बेंगलुरु, अहमदाबाद और चेन्नई जैसे बड़े शहरों में लाइव शो कर चुकी हैं। लखनऊ के इस कॉन्सर्ट को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड थे, लेकिन सुनिधि की खराब सेहत ने इस शाम को मुश्किल बना दिया।

सुनिधि चौहान पिछले 20 सालों से बॉलीवुड की टॉप सिंगर्स में शामिल हैं। उन्होंने 'शीला की जवानी', 'कमली' और 'बीड़ी जलइले' जैसे कई सुपरहिट गाने दिए हैं। सुनिधि की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने साल 2012 में हितेश सोनिक से शादी की थी और 2018 में उनके घर बेटे का जन्म हुआ।

90% ईरानी तेल का एक्सपोर्ट यहां से, एक्सपर्ट बोले- इस पर हमले से विश्वयुद्ध का खतरा

ट्रम्प ईरान के खार्ग आइलैंड पर कब्जा चाहते हैं

दावा

तेहरान, एजेंसी

अमेरिका, इजराइल और ईरान में जारी जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट के पास मौजूद खार्ग आइलैंड की अहमियत अचानक बढ़ गई है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ट्रम्प सरकार इस आइलैंड पर कब्जे को लेकर सैन्य विकल्पों पर विचार कर रही है, क्योंकि यह ईरान की तेल कमाई का सबसे बड़ा सेंटर माना जाता है। दरअसल ईरान के करीब 80 से 90% कच्चे तेल का निर्यात इसी आइलैंड से होता है। यहां बड़े तेल टर्मिनल, पाइपलाइन, स्टोरेज टैंक और जहाजों में तेल भरने की फैसिलिटी मौजूद हैं। इसे हर दिन करीब 70 लाख बैरल तक तेल जहाजों में भरा जा सकता है। खार्ग

आइलैंड स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बेहद करीब है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्गों में से एक है। दुनिया का करीब 20% तेल इसी रास्ते से गुजरता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी प्रशासन इस बात पर विचार कर रहा है कि अगर खार्ग आइलैंड के तेल टर्मिनल को तबाह कर दिया जाए या उस पर कब्जा कर लिया जाए, तो ईरान की सबसे बड़ी आय बंद हो सकती है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि तेल की बिक्री से मिलने वाला पैसा ईरान की सरकार और उसकी सैन्य ताकत के लिए सबसे बड़ा आर्थिक सहारा है। अगर यह कमाई रुक जाती है तो ईरान के लिए लंबे समय तक युद्ध जारी रखना मुश्किल हो सकता है।

डार्क फ्लीट से भेजा जा रहा तेल

ईरान कई बार ऐसे टैंकरों का इस्तेमाल करता है जिन्हें डार्क फ्लीट कहा जाता है। ये जहाज अपनी लोकेशन दिखाने वाली ट्रैकिंग मशीन बंद कर देते हैं, जिससे उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। खार्ग आइलैंड फारस की खाड़ी में ईरान के तट से करीब 25 से 30 किलोमीटर दूर स्थित है। हाल ही में एक बड़ा तेल टैंकर होर्मुज स्ट्रेट पार करते समय कुछ समय के लिए ट्रैकिंग से गायब हो गया था और बाद में फिर दिखाई दिया। रिपोर्ट्स में कहा गया कि वह जहाज

> *1960 के दशक में विदेशी निवेश के बाद इस जगह को बड़े ऑयल एक्सपोर्ट सेंटर के तौर पर डेवलप किया गया था और तब से यह ईरान की ऑयल सप्लाई की रीढ़ बन गया। हडसन इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो माइकल डोरान ने कहा, ट्रम्प सरकार युद्ध के बाद भी ईरान की पूरी अर्थव्यवस्था को तबाह नहीं करना चाहती है। अमेरिका की पुरानी 'रेड लाइन' यानी तय सीमा यह रही है कि कुछ खास और अहम ठिकानों पर हमला नहीं किया जाए।*

जंग के बीच भी जारी है तेल निर्यात

अमेरिका और इजराइल ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों और न्यूक्लियर फैसिलिटी को निशाना बनाया है, लेकिन खार्ग आइलैंड पर अब तक हमला नहीं हुआ है। सैटेलाइट डेटा और जहाजों की निगरानी करने वाली कंपनियों के मुताबिक जंग जारी होने के बावजूद ईरान यहां से लगातार तेल निर्यात कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 28 फरवरी से अब तक करीब 1.2 करोड़ बैरल से ज्यादा तेल टैंकरों के जरिए बाहर भेजा गया है।

खामेनेई की तस्वीर लेकर सड़कों पर रोती महिलाएं

दो साल की बच्ची के जनाजे में पहुंचे हजारों लोग

- ईरान में एयरस्ट्राइक में मारे गए लोगों के अंतिम संस्कार में शोक मनाने शामिल हुए लोग।
- ईरान के मिनाब में एक प्राइमरी स्कूल पर हमले के बाद पीड़ितों के
- अंतिम संस्कार में लोग शामिल हुए।
- जैनब साहेबी को कंधा देते वक्त कई महिलाएं फूट-फूटकर रो रही थीं।

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग का आज 11वां दिन है। जंग के पहले दिन ही ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इस खबर ने पूरी दुनिया को हिला दिया था। ईरान में महिलाओं सहित हजारों लोग सड़कों पर उतरे और नारेबाजी की और सुप्रीम लीडर को श्रद्धांजलि दी। उधर, युद्ध का असर पूरे मिडिल ईस्ट और उससे जुड़े देशों में दिखाई दे रहा है। बीते 10 दिनों में इस संघर्ष ने 10 से ज्यादा देशों के लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी बदल दी है, कहीं बमबारी, कहीं विरोध प्रदर्शन और कहीं भय का माहौल है।

फास्ट न्यूज

राजनीति और टैक्स से परेशान अरबपति छोड़ रहे अपना देश

लंदन/ वॉशिंगटन। दुनिया के सबसे अमीर परिवारों के बीच इन दिनों अपना देश छोड़कर दूसरे देशों में बसने की लहर सी चल रही है। विशेषज्ञ इसे इतिहास का 'सबसे बड़ा निजी संपत्ति प्रवास' बता रहे हैं। कभी टैक्स लाभ की तलाश में होने वाला यह पलायन अब 'रक्षात्मक' हो गया है। पीढ़ियों की सुरक्षा और राजनीतिक अस्थिरता से बचने के लिए 'गोल्डन वीसा' और विदेशी नागरिकता का सहारा ले रहे हैं।

रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर, पहली बार 92.33 पर आया

नई दिल्ली। भारतीय रुपया आज 9 मार्च को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 46 पैसे गिरकर 92.33 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। मिडिल ईस्ट में बिगड़ते हालात के बीच ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी तेजी और डॉलर के मजबूत होने की वजह से रुपए में यह बड़ी गिरावट आई है।
एक्सपर्ट्स का कहना है कि जब तक युद्ध शांत नहीं होता, रुपए पर दबाव बना रह सकता है। इससे चलते यह 2026 में दुनिया के इमर्जिंग मार्केट्स की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली करेंसी में से एक बन गई है।

गाड़ी ट्रांसफर के लिए अब एनओसी की जरूरत नहीं होगी

नई दिल्ली। पुरानी गाड़ी को एक राज्य से दूसरे राज्य में ट्रांसफर करना आसान होने वाला है। केंद्र सरकार दूसरे राज्य में गाड़ी ट्रांसफर करने के लिए लगने वाले 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (NOC) की अनिवार्यता खत्म कर सकती है। इसके लिए नीति आयोग की एक हाई-लेवल कमेटी ने परिवहन मंत्रालय (MoRTH) को प्रस्ताव भेजा है।

चांदी ₹13 हजार बढ़कर ₹2.73 लाख पर पहुंची

सोना ₹1700 बढ़कर ₹1.60 लाख का हुआ, इस साल कीमत ₹27 हजार बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने और चांदी के दामों में आज यानी 10 मार्च को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,700 रुपए बढ़कर 1.60 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1.59 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। एक किलो चांदी 13 हजार रुपए बढ़कर 2.73 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2.60 लाख रुपए प्रति किलो थी। एक्सपर्ट्स के अनुसार 29 जनवरी को सोने की कीमत 1.76 लाख रुपए और चांदी के दाम 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर

पहुंच गए थे। इसके बाद से इनकी कीमत में काफी गिरावट आ चुकी है। इसलिए इनकी खरीदारी देखने को मिल रही है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली है। बीते साल के आखिर में सोना 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 1.60 लाख रुपए पर है। यानी इसकी कीमत इस साल अब तक 27 हजार बढ़ चुकी है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. **सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें:** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. **कीमत क्रॉस चेक करें:** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

ईरान जंग : 9 एशियाई देशों में तेल संकट

बांग्लादेश में यूनिवर्सिटीज बंद, थाइलैंड में लिफ्ट इस्तेमाल पर रोक

इस्लामाबाद/ढाका/ एजेंसी

ईरान जंग का असर अब एशिया के कई देशों में दिखाई देने लगा है। तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित होने के कारण कम से कम 9 एशियाई देशों में ऊर्जा संकट गहराने लगा है। हालात ऐसे हैं कि अलग-अलग देशों को ईंधन बचाने और ऊर्जा संकट से निपटने के लिए सख्त कदम उठाने पड़े हैं। बांग्लादेश में सभी यूनिवर्सिटीज बंद कर दी गई हैं, ताकि बिजली और ईंधन की खपत कम की जा सके। वहीं थाइलैंड में सरकारी दफ्तरों में लिफ्ट के इस्तेमाल पर रोक लगाकर कर्मचारियों को सीढ़ियों का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं और वर्क फ्रॉम होम लागू किया गया है। दूसरी ओर पाकिस्तान में खर्च कम करने के लिए मंत्रियों की सैलरी और विदेश यात्राओं पर रोक लगा दी गई है, साथ ही सरकारी खर्च और ईंधन उपयोग में कटौती के फैसले लिए गए हैं।

थाईलैंड- लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों के इस्तेमाल का आदेश

थाईलैंड में सरकार ने ऊर्जा बचाने के लिए सरकारी कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने और दफ्तरों में लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए हैं। सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक जिन अधिकारियों को सीधे जनता की सेवा देनी होती है, उन्हें इस नियम से छूट दी गई है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल ने सरकारी कर्मचारियों को ऊर्जा बचाने के लिए जरूरी कदम लागू करने को कहा है। सरकार ने विदेश यात्राओं को अस्थायी रूप से रोक दिया है। ऊर्जा बचत के लिए एयर कंडीशनर का तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रखने का निर्देश दिया गया है।

> शरीफ ने कहा कि अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष की वजह से कच्चे तेल की कीमत 60 डॉलर से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा हो गई है। इस वजह से यह फैसले लिए गए हैं।

पाकिस्तान- मंत्रियों की सैलरी और विदेश दौरों पर रोक

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को बढ़ती तेल कीमतों को देखते हुए खर्चों में कटौती योजना का ऐलान किया। इसके तहत सरकारी दफ्तर हफ्ते में सिर्फ चार दिन खुलेंगे और आधे कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। इस हफ्ते के अंत से स्कूल दो हफ्तों के लिए बंद रहेंगे। पाकिस्तानी न्यूज चैनल जियो न्यूज के मुताबिक, मंत्रियों और सलाहकारों के विदेश दौरे रोक दिए गए हैं। मंत्री दो महीने तक वेतन नहीं लेंगे और सांसदों की सैलरी में 25% की कटौती होगी।

ईरान-इजराइल तनाव से चीन को झटका

मिडिल ईस्ट में छिड़ी जंग, चीन के 8 लाख करोड़ दांव पर

मिडिल ईस्ट, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में चल रहा युद्ध चीन के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। दरअसल चीन ने मिडिल ईस्ट में भारी निवेश किया हुआ है। साथ ही ये क्षेत्र उसके इस्पात, इलेक्ट्रिक वाहनों और सौर पैनलों के लिए बड़ा बाजार है। ईरान के रूप में चीन को तेल का सस्ता स्रोत मिला था। पूरे क्षेत्र में उसे ऐसी सरकारें भी मिलीं, जो नवीकरणीय ऊर्जा और प्रौद्योगिकी में चीन से सीखने के लिए उत्सुक थीं। इन्हीं सब के बीच चीन तेल और गैस के लिए मध्य पूर्व की आपूर्ति पर निर्भर हो गया। जब पिछले साल अमेरिका से चीन की व्यापारिक प्रतिद्वंद्विता बढ़ी तो वह अमेरिकी बाजार में अपने कई सामान बेचने में असमर्थ रहा, जो कभी चीन का सबसे बड़ा बाजार

था। इसके बाद चीन के लिए मिडिल ईस्ट का महत्व और भी अधिक स्पष्ट हो गया था। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) चीनी कारों के लिए सबसे तेजी से बढ़ता बाजार बन गया। सऊदी अरब और उसके पड़ोसी देशों की ओर से चीनी स्टील की मांग दोगुनी हो गई। 2025 में मिडिल ईस्ट को चीन का निर्यात बाकी दुनिया के निर्यात की तुलना में लगभग दोगुनी तेजी से बढ़ा है। लेकिन अब ये खतरे में है। मध्य पूर्व में चीन के गहरे वित्तीय संबंधों के बावजूद उसे जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है।

सेंसेक्स 640 अंक चढ़कर 78,206 पर पहुंचा

कच्चा तेल 9% सस्ता होकर 90 डॉलर पर आया, ट्रम्प के 'युद्ध जल्द खत्म' वाले बयान का असर

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 10 मार्च को तेजी रही। सेंसेक्स 640 अंक (0.82%) की तेजी के साथ 78,205 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी करीब 233 अंक (0.97%) की तेजी रही, ये 24,262 पर बंद हुआ। आज बैंकिंग, ऑटो और FMCG शेयर्स में ज्यादा बढ़त है। ट्रम्प ने कहा कि मौजूदा युद्ध 'बहुत जल्द' खत्म हो जाएगा। उनके इस बयान से ग्लोबल सप्लाई चेन को लेकर बनी अनिश्चितता में कमी आई है। हालांकि, मौजूदा कीमतें अब भी युद्ध शुरू होने से पहले के स्तर के मुकाबले करीब 30% ज्यादा बनी हुई हैं। एक दिन पहले 9 मार्च को सेंसेक्स 1353 अंक (1.71%) नीचे 77,566 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 422 अंक (1.73%) की गिरावट रही, ये 24,028 पर बंद हुआ। बैंक, ऑटो, मेटल, एनर्जी और FMCG शेयरों में ज्यादा बिकवाली रही।

अमेरिकी बाजार में 9 मार्च को गिरावट रही

- डाउ जोन्स 239 अंक (0.50%) गिरकर 47,740 के स्तर पर बंद हुआ।
- टेक बेस्ड इंडेक्स नैस्डैक कंपोजिट 1.38% गिरकर 22,695 पर बंद हुआ।
- एस&पी 500 इंडेक्स 55 अंक (0.83%) गिरकर 6,795 पर बंद हुआ।

9 मार्च को एफआईआई ने ₹6,345 करोड़ के शेयर्स बेचे

- एक दिन पहले विदेशी निवेशकों (FIIs) ने कैश सेगमेंट में 6,345 करोड़ के शेयर बेचे। घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 9,014 करोड़ की नेट खरीदारी की।
- मार्च महीने में विदेशी निवेशकों ने अब तक 28,176 करोड़ के शेयर्स बेचे। वहीं घरेलू निवेशकों ने इस दौरान 41,800 करोड़ की नेट खरीदारी की है।
- फरवरी महीने में विदेशी निवेशकों ने 6,640 करोड़ के शेयर्स बेचे हैं। वहीं घरेलू निवेशकों ने इस दौरान 38,423 करोड़ की नेट खरीदारी की थी।

कच्चा तेल 9% सस्ता होकर 89 डॉलर पर आया

ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई हैं। ब्रेंट क्रूड करीब 9% गिरकर 92.50 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इससे पहले कल ये 115 डॉलर के पास चला गया था। वहीं अमेरिकी तेल (WTI) भी करीब 9% टूटकर 88.60 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया है। तेल की कीमतों में यह कमी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक बयान के बाद आई है।

एशियाई बाजारों में तेजी

- साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 5.35% चढ़कर 5,532 के स्तर पर बंद हुआ।
- जापान का निक्केई 1519 अंक या 2.88% चढ़कर 54,248 के स्तर पर बंद हुआ।
- हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 551 अंक या 2.17% चढ़कर 25,960 पर बंद हुआ।
- चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 27 अंक या 0.65% ऊपर 4,123 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स 1353 अंक गिरकर 77,566 पर बंद हुआ था

एक दिन पहले 9 मार्च को सेंसेक्स 1353 अंक (1.71%) नीचे 77,566 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 422 अंक (1.73%) की गिरावट रही, ये 24,028 पर बंद हुआ।

परेशानी : गैस नहीं मिलने से होटल-रेस्टोरेंट बंद होने की नौबत, जमाखोरी रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू

कई राज्यों में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर सप्लाई बंद

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से हॉर्मुज जलमार्ग के रास्ते गैस सप्लाई ठप हो गई है। इससे देश में LPG की किल्लत हो रही है। दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस की सप्लाई पर रोक लगा दी है। गैस सप्लाई बंद होने की वजह से कई शहरों में रेस्टोरेंट्स और होटल बंद होने की नौबत आ गई है। ऐसे में सरकारी सूत्रों का कहना है कि तेल कंपनियां अलग-अलग रेस्टोरेंट एसोसिएशनों से बात करेंगी, ताकि LPG सप्लाई की दिक्कतों को समझा जा सके। इधर, केंद्र सरकार ने गैस समेत जरूरी चीजों की जमाखोरी रोक ने लिए देशभर में 'आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955' लागू कर दिया है। अब गैस को 4 कैटेगरी में बांटा जाएगा.

- **पहली कैटेगरी (पूरी सप्लाई):** इसमें घर की रसोई गैस (PNG) और गाड़ियों में डलने वाली CNG आती है। इन्हें पहले की तरह पूरी गैस मिलती रहेगी।
- **दूसरी कैटेगरी (खाद कारखाने):** खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों को करीब 70% गैस दी जाएगी। बस उन्हें यह साबित करना होगा कि गैस का इस्तेमाल खाद बनाने में ही हुआ है।
- **तीसरी कैटेगरी (बड़े उद्योग):** नेशनल ग्रिड से जुड़ी चाय की फैक्ट्रियों और दूसरे बड़े उद्योगों को उनकी जरूरत की लगभग 80% गैस मिलेगी।
- **चौथी कैटेगरी (छोटे बिजनेस और होटल):** शहरों के गैस नेटवर्क से जुड़े छोटे कारखानों, होटल और रेस्टोरेंट को भी उनकी पुरानी खपत के हिसाब से लगभग 80% गैस दी जाएगी।

महाराष्ट्र: मुंबई में करीब 20% होटल और रेस्टोरेंट बंद

मुंबई, पुणे और नागपुर में कॉमर्शियल गैस की भारी कटौती की गई है। पुणे में तो हालात इतने खराब हैं कि नगर निगम ने गैस शवदाह गृह अस्थायी रूप से बंद कर दिए हैं। राज्य के करीब 9,000 रेस्टोरेंट्स और बार पर बंद होने का खतरा मंडरा रहा है। मुंबई में कॉमर्शियल गैस सप्लाई की किल्लत की वजह से अब तक करीब 20% होटल और रेस्टोरेंट बंद हो चुके हैं। होटल एसोसिएशन 'आहार' (AHAR) ने चेतावनी दी है।

राजस्थान: होटल-रेस्टोरेंट, मैरिज गार्डन से जुड़े लोगों को परेशानी

यहां होटल और रेस्टोरेंट संचालकों का कहना है कि गैस का हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। ऐसे में हर तरह के होटल-रेस्टोरेंट, मैरिज गार्डन और अन्य उद्योगों से जुड़े लोगों को बड़ी परेशानी होनी तय है।

कर्नाटक: होटल भी 'जरूरी सेवा', बंद होने से बुजुर्गों-छात्रों को दिक्कत

बेंगलुरु होटल एसोसिएशन का कहना है कि अगर सप्लाई बहाल नहीं हुई होटल बंद करने पड़ेंगे। एसोसिएशन के मुताबिक, होटल इंडस्ट्री 'जरूरी सेवाओं' में आती है।

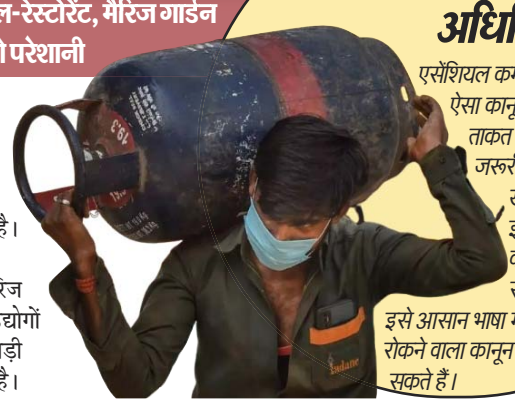

क्या है आवश्यक वस्तु अधिनियम?

एसेंशियल कमोडिटी एक्ट 1955 एक ऐसा कानून है, जो सरकार को यह ताकत देता है कि वह किसी भी जरूरी चीज जैसे- अनाज, दालें, खाने का तेल, दवाइयां या ईंधन की सप्लाई और कीमतों को कंट्रोल कर सके।

इसे आसान भाषा में 'जमाखोरी रोकने वाला कानून' कह सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश 78% घटा

फरवरी में सिर्फ ₹5,255 करोड़ इन्वेस्टमेंट हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

फरवरी महीने में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (Gold ETFs) में निवेशकों की दिलचस्पी कम हुई है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (AMFI) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी 2026 में गोल्ड ईटीएफ में करीब 5,255 करोड़ रुपए का निवेश आया है। यह जनवरी के मुकाबले काफी कम है। जनवरी में गोल्ड ईटीएफ में 24,039.96 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड निवेश देखने को मिला था। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जनवरी में भारी खरीदारी के बाद निवेशकों ने फरवरी में थोड़ा ब्रेक लिया है। यह निवेश में कोई गिरावट नहीं, बल्कि एक 'नॉर्मलाइजेशन' यानी सामान्य प्रक्रिया है। साल की शुरुआत यानी जनवरी में गोल्ड ईटीएफ में जबरदस्त उछाल देखा गया था। उस

दौरान सोने में निवेश लगभग इक्विटी म्यूचुअल फंड (शेयर बाजार बेस्ड फंड) के बराबर पहुंच गया था। दुनिया भर में जारी भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निवेशकों ने सोने को एक सुरक्षित ठिकाने के तौर पर चुना था। फरवरी में आई कमी को बाजार के जानकार एक स्वाभाविक ठहराव मान रहे हैं। बाजार जानकारों के अनुसार, फरवरी में निवेश कम होने की मुख्य वजह सोने की कीमतों में स्थिरता या मामूली बदलाव हो सकता है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96